हिंदी दैनिक अखबार

बिहार पत्रिका

सच के साथ

पटना, रविवार, 08 दिसम्बर 2024 वर्ष : 5, अंक : 162 पृष्ठ : 8, मूल्य : 2.00 रु web_dainikbiharpatrika.com Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com सम्पादक : कृष्णा टेकड़ीवाल

बांग्लादेश-भारत के बीच चल रहे तनाव के चलते बॉर्डर पर बीटिंग रिट्रीट रोकी गई

एजेंसी, नई दिल्ली

शेख हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक के खिलाफ अत्याचार जारी है। वहीं, भारत विरोधी कदम उठाए जा रहे हैं। हालात ये हैं कि त्रिपुरा में भारत बांग्लादेश सीमा पर आयोजित बीटिंग रिट्रीट को रोका गया। बीटिंग रिट्रीट शनिवार और रविवार को आयाजित होता था। भारत और बांग्लादेश के बीच जारी तनातनी के बीच अगरतला में अखूरा बार्डर में बीटिंग रिट्रीट का आयोजन बंद हुआ। खबर आ रही है कि बांग्लादेश की सेना ने भारत की सीमा पर पश्चिम बंगाल के पास तुर्की निर्मित ड्रोन तैनात किए हैं। सीमा पर बांग्लादेश की सेना की बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए भारतीय सेना ने सीमा पर निगरानी बढ़ा दी है। भारत ने शेख हसीना की अवामी लीग की सरकार गिरने के

बाद बॉर्डर पर आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि के खुफिया रिपोर्ट मिलने के बाद से निगरानी बढ़ाई है। सूत्रों से पता चला है कि सेना ने सीमा के करीब बेराकटर टीबी2 मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) की तैनाती की पुष्टि की है। इन ड्रोनों का संचालन बांग्लादेश की 67वीं सेना खुफिया, निगरानी और टोही मिशनों के लिए करती है। जबकि बांग्लादेश ने दावा किया कि यह तैनाती रक्षा उद्देश्यों के लिए है, भारत ने संवेदनशील क्षेत्र में ऐसे उन्नत ड्रोनों की तैनाती के रणनीतिक महत्व को नजरअंदाज नहीं किया है। वहीं,मुस्लिम संगठनों ने भारत के खिलाफ बड़े प्रदर्शन का आयोजन किया। इस प्रदर्शन में मुस्लिम संगठन के नेताओं ने पुलिस सुरक्षा में हुए इस प्रदर्शन में आईएसआईएस के झंडे भी लहराए गए। प्रदर्शनकारियो ने बांग्लादेश में भारतीयों पर हमले और उनकी हत्या करने की धमकी दी। बांग्लादेश में लगातार हो रही ऐसी घटनाएं दर्शाती हैं कि कट्टरता पैर पसार रही है। इधर, श्रीभूमि जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर हिंदू मंदिर में रिनोवेशन को रोक दिया। बांग्लादेश की सेना ने हिंदू मंदिर का रेनोवेशन का कड़ा विरोध किया था। हालांकि, बांग्लादेश की सेना ने इस संबंध में अंतर्राष्ट्रीय प्रोटोकॉल का हवाला दिया था। भारत ने इस संबंध में शांतिपूर्ण हल निकालने पर जोर दिया है।

असम में बराक घाटी के होटल बांग्लादेशी नागरिकों को नहीं देंगे प्रवेश, हिंदुओं पर हमले को लेकर लिया फैसला

एजेंसी, गुवाहाटी । असम के बराक घाटी के होटलों ने घोषणा की है कि पड़ोसी देश में हिंदुओं पर हमले बंद होने तक किसी भी बांग्लादेशी नागरिक को होटल में नहीं रखेंगे। बराक घाटी में कछार, श्रीभूमि (पूर्व में करीमगंज) और हैलाकांदी समेत तीन जिले शामिल हैं। बराक घाटी होटल और रेस्तरां एसोसिएशन के अध्यक्ष बाबुल राय ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की स्थिति चिंताजनक है। हम इसे किसी भी तरह से स्वीकार नहीं कर सकते। हमने तय किया है कि जब तक स्थिति में सुधार नहीं होता और हिंदुओं पर अत्याचार बंद नहीं हो जाते तब तक हम बराक घाटी के तीनों जिलों में बांग्लादेश के किसी भी नागरिक को नहीं रखेंगे। यह हमारा विरोध है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के लोगों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि देश में स्थिरता लौट आए। स्थिति में सुधार होने पर ही हम अपने फैसले पर पुनर्विचार कर सकते हैं। कुछ दिन पहले श्रीभूमि जिला होटल एसोसिएशन ने बांग्लादेश में हिन्दुओं के उत्पीड़न की हालिया घटनाओं का हवाला देते हुए बांग्लादेशी नागरिकों को अपने होटलों में प्रवेश करने पर प्रतिबंधित लगा दिया था।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड की निलंबित आईएएस पूजा सिंघल को मिली जमानत

एजेंसी, रांची । नये कानून के तहत जेल से रिहा करने के लिए निलंबित आईएएस पूजा सिंघल की दायर जमानत याचिका पर रांची के धन-शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट में शनिवार को सुनवाई हुई। पूजा सिंघल को कोर्ट ने राहत देते हुए दो-दो लाख रुपये के निजी मुचलके पर उन्हें जमानत देने का आदेश दिया है। उन्हें अपना पासपोर्ट कोर्ट में जमा करना होगा। इससे पहले अदालत ने बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार के अधीक्षक को यह बताने का निर्देश दिया था कि पूजा सिंघल कब से जेल में हैं और उनकी न्यायिक हिरासत की अवधि कितनी हुई है।

सामूहिक विवाह यज्ञ के समानः आदित्यनाथ

एजेंसी, वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल हुए। पिंडरा स्थित नेशनल इंटर कॉलेज के खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने शादी के बंधन में बंधे 401 जोड़ो को आशीर्वाद और उपहार दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सामूहिक विवाह यज्ञ के समान है। यह सामूहिक विवाह कार्यक्रम सामाजिक कुरीति पर जोरदार प्रहार है।

विदेश मंत्रालय ने जारी की एडवाइजरी, भारतीयों को सीरिया की यात्रा से बचने की सलाह

एजेंसी, नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने सीरिया में जारी हिंसा के मद्देनजर भारतीय नागरिकों को अगले आदेश तक सीरिया की यात्रा करने से बचने की सलाह दी है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यात्रा परामर्श जारी करते हुए कहा कि सीरिया में मौजूदा स्थिति को देखते हुए भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक सीरिया की यात्रा करने से बचने की सलाह दी जाती है। मंत्रालय ने सीरिया में मौजूद भारतीयों को आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर और आधिकारिक ईमेल आईडी के माध्यम से दमिश्क में भारतीय दूतावास के संपर्क में रहने की सलाह दी है। मंत्रालय की तरफ से कहा गया है कि जो लोग वापस लौट सकते हैं, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे जल्द से जल्द उपलब्ध वाणिज्यिक उड़ानों से चले आएं और अन्य लोगों से अपनी सुरक्षा के बारे में अत्यधिक सावधानी बरतने की अपील की गई है।

स्कूली शिक्षा को ज्यादा सुलभ बनाने 85 नए केंद्रीय विद्यालयों को मंजूरी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- लाखों विद्यार्थी होंगे लाभांवित और रोजगार होंगे सृजित

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार समाज के हर वर्ग को स्कूली शिक्षा उपलब्ध कराने और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के उद्देश्यों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में, देशभर में 85 नए केंद्रीय विद्यालय खोलने की घोषणा की गई है। इस फैसले से न केवल लाखों विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिलेगा, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए कहा, कि स्कूली शिक्षा को ज्यादा सुलभ बनाने के लिए हमारी सरकार ने 85 नए केंद्रीय विद्यालय खोलने का फैसला लिया है। इससे बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को फायदा होगा और रोजगार के नए अवसर भी बनेंगे। पीएम मोदी ने यह भी घोषणा की कि देशभर में 28 नए नवोदय विद्यालयों को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा, कि इससे आवासीय और गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा का दायरा और बढ़ेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप, हम स्कूली शिक्षा को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। पीएम मोदी ने इसके साथ ही बताया कि उनकी सरकार देशभर में बेहतर संपर्कता सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है। इस दिशा में दिल्ली मेट्रो के चौथे चरण के तहत रिठाला-कुंडली कॉरिडोर को मंजूरी दी गई है। यह नया मेट्रो कॉरिडोर दिल्ली और हरियाणा के बीच यात्रा को और सुगम बनाएगा। पीएम मोदी ने कहा, कि दिल्ली मेट्रो के चौथे चरण का यह कॉरिडोर न केवल दिल्ली और हरियाणा के बीच यात्रा को आसान करेगा, बल्कि दोनों राज्यों के लोगों के बीच सामाजिक और आर्थिक संबंधों को भी मजबूती देगा।

पीएम ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर सशस्त्र बलों को सलाम किया

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर सशस्त्र बलों की वीरता और बलिदान को सलाम किया है। इस मौके पर केंद्रीय सैनिक बोर्ड के सचिव ब्रिगेडियर डीएस बसेरा ने प्रधानमंत्री से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की और उन्हें बैज लगाया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर इस मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए पोस्ट कर कहा, "सशस्त्र सेना झंडा दिवस हमारे साहसी सैनिकों की वीरता, दृढ़ संकल्प और बलिदान को सलाम करने के लिए है। उनकी बहादुरी हमें प्रेरित करती है, उनका बलिदान हमें विनम्र बनाता है और उनका समर्पण हमें सुरक्षित रखता है। आइए सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में भी योगदान दें।"

बारिश के आसार, दिल्ली समेत आस-पास क्षेत्रों में बढ़ेगी ठंड

एजेंसी, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में सर्दियों की पहली बारिश का इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 8 दिसंबर को हल्की बारिश की संभावना है, जिससे ठंड में इजाफा होगा। बारिश के बाद न्यूनतम तापमान गिरकर 6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। दिन के तापमान में भी 2-3 डिग्री की गिरावट देखने को मिल सकती है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 25.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य है, जबकि न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री कम रहा है। हवा में नमी का स्तर 32 से 90 प्रतिशत तक रहा। शनिवार को सुबह के समय स्मॉग छाने के साथ ही 8 दिसंबर को संभावित बारिश के बाद 9 दिसंबर से मौसम साफ होने की संभावना है, जिससे ठंड बढ़ने लगेगी। अनुमान है कि 9 दिसंबर को न्यूनतम तापमान 7 डिग्री तक गिर सकता है, जबकि अधिकतम तापमान 23 डिग्री रहने की उम्मीद है। 10 और 11 दिसंबर को न्यूनतम तापमान 6 डिग्री और अधिकतम 23-24 डिग्री के बीच रह सकता है। यहां बताते चलें कि इस सीजन में कोहरा छाना जल्दी शुरू हुआ है। नवंबर में 17 से 20 तारीख तक घना कोहरा देखा गया था, जबकि 8 से 11 दिसंबर तक मध्यम कोहरे की संभावना व्यक्त की गई है। विजिबिलिटी कम होने से लोगों को परेशानी हो सकती है। दिसंबर और जनवरी में भी कोहरे के कई स्पेल देखने को मिल सकते हैं। बहरहाल बारिश होने पर दिल्ली समेत आस-पास के इलाकों में ठंड बढ़ने के आसार हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस घोषित किया

एजेंसी, संयुक्त राष्ट्र

अब पूरी दुनिया में हर साल 21 जून को विश्व ध्यान दिवस मनाया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भारत के सह-प्रायोजन मसौदा प्रस्ताव को आमराय से स्वीकार करते हुए 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस घोषित किया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने इसे 'व्यापक कल्याण और आंतरिक परिवर्तन का दिन' बताते हुए एक्स हैंडल पोस्ट पर यह खुशखबरी दी। पर्वतनेनी हरीश ने एक्स पर लिखा, ''खुशी है कि भारत ने कोर ग्रुप के अन्य देशों के साथ मिलकर 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस के रूप में घोषित

करने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अपनाने का मार्गदर्शन किया। समग्र मानव कल्याण के लिए भारत का नेतृत्व 'हमारे सभ्यतागत सिद्धांत-वसुधैव कुटुम्बकम' पर आधारित है।'' उन्होंने कहा कि 21 दिसंबर शीतकालीन संक्रांति का प्रतीक है। भारतीय परंपरा में यह उत्तरायण की शुरुआत है।

मुस्लिम वोटों के लिए सपा और कांग्रेस चिल्ला रही संभल-संभल : मायावती

मुस्लिम समाज के लोग सपा-कांग्रेस से रहे सावधान

एजेंसी, लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शनिवार को लखनऊ स्थित अपने आवास पर एक प्रेसवार्ता को सम्बोधित किया है। उन्होंने कहा है कि इस समय संसद चल रहा है। विपक्ष देश व यहां जनहित के मुद्दे न उठाकर अपने राजनैतिक स्वार्थ में संभल में हुई हिंसा की आड़ में खासकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पार्टी मुस्लिम वोटों को रिझाने में जुटे हुए हैं। ये पार्टिया मुस्लिम समाज के

लोगों को अभी आपस में लड़ा रही है, जिससे मुस्लिम समाज के लोगों को सतर्क रहना जरूरी है। मायावती ने कहा कि ज्यादा दुख की बात यह है कि जिनकी बदौलत से संसद में दलित वर्ग के सांसद पहुंचे हैं वो भी अपनी-अपनी पार्टियों के आकाओं को खुश करने के लिए दलित उत्पीड़न के मुद्दों पर अधिकांशः चुप ही बैठे हुए है। चाहे वो दलितों के उत्पीड़न का मामला अपने देश का हो या फिर बांग्लादेश का हो तो वहीं दूसरी तरफ पड़ोसी देश बांग्लादेश में सभी वर्गों के हिन्दू लोग जो बड़ी संख्या में जुल्म ज्यादती के शिकार हो रहे है। मायावती ने कहा कि मुस्लिम वोट पाने के लिए संभल-संभल चिल्लाया जा रहा है। इस मामले में सपा-कांग्रेस व इनके समर्थक दल एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं। उनका कहना है कि भाजपा और उनके नेतृत्व में चल रही केंद्र की सरकार अपनी जिम्मेवारी को आगे बढ़चढ़ के निभाये, ताकि सबसे ज्यादा शोषण का शिकार हो रहे दलित व अन्य वीकर सेक्शन के लोगों को वहां और ज्यादा शिकार न होना पड़े।

गूगल ने बताया- राष्ट्रपति आवास व आसपास का इलाका बना प्रदूषण का नया हॉटस्पॉट

एजेंसी, नई दिल्ली

स्वच्छ हवा प्राप्त करने की दिशा में काम कर रहे इस जलवायु तकनीकी संगठन द्वारा जारी की गई डिकोडिंग अर्बन एयरः हाइपरलोकल इनसाइट्स इन टू पीएम 2.5 पॉल्यूशन एक्रॉस इंडियन मेट्रोपोलिज़ नामक रिपोर्ट दिल्ली के लिए विशिष्ट वायु गुणवत्ता के रुझान और प्रदूषण हॉटस्पॉट का विस्तृत विश्लेषण प्रदान करती है। रेस्पिरर लिविंग साइंसेज की रिपोर्ट में सीपीसीबी मॉनिटरिंग डेटा और गूगल मैप्स एयर क्वालिटी एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) से ओवरलेड स्थानिक अंतर्दृष्टि का उपयोग करके अपने एटलसएक्यू प्लेटफार्म से वायु गुणवत्ता विश्लेषण को जोड़ा गया है। गूगल ने पूरे भारत में वायु गुणवत्ता निगरानी बढ़ाने के लिए एयरव्यू प्लस पहल पर रेस्पिरर के साथ साझेदारी की है। गूगल मेप्स एक्यू के आधार पर दिल्ली का सबसे प्रदूषित एरिया उत्तर पश्चिमी दिल्ली का चांदपुर गांव है। यहां पर पीएम 2.5 का स्तर 391 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा।इसके बाद मध्य दिल्ली के प्रेसीडेंट एस्टेट में पीएम 2.5 का स्तर 385 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और बवाना में 373 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा। रिपोर्ट के अनुसार गूगल मैप्स एक्यू डेटा के आधार पर प्रेसीडेंट इस्टेट को हॉटस्पॉट दिखाया गया है। प्रेसीडेंट इस्टेट में प्रदूषण की वजह इस एरिया में ट्रैफिक का काफी अधिक होना बताया गया है। जबकि सरकारी मॉनिटरिंग नेटवर्क में यह एरिया शीर्ष पांच प्रदूषित एरिया में शामिल नहीं है। दोनों तरह की रिपोर्ट में एक मात्र कामन हॉटस्पॉट बवाना है।रेस्पिरर लिविंग साइंसेज के संस्थापक और सीईओ रौनक सुतारिया कहते हैं, हाइपरलोकल यानी स्थानीय अंतर्दृष्टि वायु गुणवत्ता निगरानी शहरी भारत के लिए एक गेम-चेंजर है। यह पारंपरिक प्रणालियों द्वारा छोड़े गए अंतराल को पाटता है, प्रदूषण पैटर्न में वास्तविक समय, सड़क-स्तरीय अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

भारतीयता और सनातन में है सबको जोड़ने की ताकत : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी, वाराणसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश सुरक्षित है तो धर्म भी सुरक्षित है। धर्म सुरक्षित है तो हम भी सुरक्षित हैं, इसलिए जो भी कार्य हो, वह व्यक्ति, समाज, मत-मजहब के दायरे से ऊपर उठकर सनातन धर्म के मूल्यों के अनुरूप भारत की वैदिक-आध्यात्मिक परंपरा का अनुसरण करते हुए देश के नाम होना चाहिए। भारतीयता और सनातन सबको जोड़ने की ताकत रखता है। मुख्यमंत्री शनिवार को यहां उमरहा चौबेपुर स्थित स्वर्वेद महामंदिर धाम में

आयोजित विहंगम योग संत समाज की स्थापना के शताब्दी समारोह महोत्सव में शामिल हुए। 25 हजार कुंडीय स्वर्वेद ज्ञान महायज्ञ में लाखों लोगों की भागीदारी के बावजूद धाम की सुचारू व्यवस्था की मुख्यमंत्री ने जमकर तारीफ की। आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 1888 में बलिया के छोटे से गांव में सद्गुरु सदाफल देव महाराज का अवतरण हुआ। उन्होंने 1924 में विहंगम योग संत समाज की स्थापना की। जब समाज शताब्दी समारोह कार्यक्रम के साथ जुड़ रहा है, तब हम भी इसके साक्षी बन रहे हैं। हम सभी को संत की यौगिक साधना का प्रसाद प्राप्त हो रहा है। विहंगम योग संत समाज स्वर्वेद महामंदिर ट्रस्ट के माध्यम से दिव्य-भव्य मंदिर बनाकर कोटि-कोटि श्रद्धालुजनों को अपने पुरुषार्थ के माध्यम से जोड़ने के साथ ही भारत की योग परंपरा व आध्यात्मिक धारा को जन-जन तक पहुंचाने को कृतसंकल्पित दिख रहा है।

खास खबरें

मारपीट मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

दैनिक बिहार पत्रिका/ खगड़िया

जिले के पसराहा थाना क्षेत्र के खरौवा गांव से मारपीट मामले के आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस ने शनिवार को न्यायिक हिरासत खगड़िया भेज दिया। गिरफ्तार अभियुक्त खरौवा गांव निवासी स्व. उमाकान्त सिंह के पुत्र भूपेंद्र सिंह बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार गत मंगलवार को बकरी चराने को लेकर हुए विवाद के दौरान 13 आदमी घायल हो गए थे। एक पक्ष से 11 लोग तथा दूसरे पक्ष के दो लोग घायल हुए थे। इधर, पसराहा थानाध्यक्ष संजय कुमार विश्वास ने बताया कि पसराहा थाना कांड संख्या 296/24 के मारपीट के आरोपी खरौवा गांव निवासी भूपेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि फरार अन्य अभियुक्तों की भी शीघ्र गिरफ्तारी होगी।

विद्यापति प्लस टू स्कूल के 23 छात्र गए एक्सपोजर विजिट पर

दैनिक बिहार पत्रिका/ समस्तीपुर

जिले के विद्यापतिनगर प्रखंड अंतर्गत विद्यापति प्लस टू स्कूल मऊ वाजिदपुर दक्षिण में गठित मानक क्लब के 23 छात्र-छात्राओं का एक दल शनिवार को एक्सपोजर विजिट पर ताजपुर स्थित ड्यूराटेक सीमेंट इंडिया लिमिटेड गया है। प्रभारी प्रधानाध्यापक अमित भूषण ने हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया। जानकारी देते हुए प्रभारी प्रधानाध्यापक अमित भूषण ने बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो की पटना शाखा के द्वारा दो वर्ष पूर्व विद्यालय में मानक क्लब की स्थापना की गई है, जिसमें विद्यालय के 26 छात्र सदस्य है। श्री भूषण ने बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो के निर्देश पर आज 23 छात्रों का एक दल एक्सपोजर विजिट पर ताजपुर गया है, जहां सीमेंट उत्पादन के बारे में छात्रों को सीखने का अवसर मिलेगा। इस विजिट का उद्देश छात्रों को स्वरोजगार के प्रति उन्मुख करना है। उन्होंने कहा कि आज सरकारी नौकरी लगातार कम हो रही है, ऐसे में छात्रों को उद्योग व उद्यम का ज्ञान होना आवश्यक है, ताकि वे अपने क्षेत्र में उद्योग स्थापित कर स्वयं के साथ लोगों को भी रोजगार देने में सक्षम बन सकें। मेंटर मजरूल हसन ने बताया कि नवाचार के लिए छात्रों को सीमेंट फैक्ट्री भेजा गया है। मौके पर विधायक के सभी शिक्षक मौजूद थे।

राजकीय अंबेडकर आवासीय बालिका उच्च विद्यालय का किया गया औचक निरीक्षण

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

धोरैया। जिला कल्याण पदाधिकारी, बांका, जिला परियोजना प्रबंधक , जीविका एवं विद्यालय प्रबंधक सह प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, धोरैया के द्वारा राजकीय अंबेडकर आवासीय बालिका उच्च विद्यालय, चपरी धोरैया का संयुक्त औचक निरीक्षण शनिवार को किया गया। इस दौरान जीविका द्वारा मेस संचालन एवं परिसर की साफ सफाई की जांच की गई। जिला कल्याण पदाधिकारी द्वारा शिक्षकों की संगोष्ठी भी की गई एवं विद्यालय- संचालन हेतु निर्देश दिए गए। साथ ही उनके द्वारा छात्राओं को भविष्य के लिए उचित मार्गदर्शन देते हुए संबोधित किया गया।

एक अज्ञात बच्ची को रेस्क्यू कर किया गया बरामद

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

जिला बाल संरक्षण इकाई, बांका द्वारा पुलिस की मदद से एक अज्ञात बच्ची को मिर्जा चौक, शंभुगंज (जिला-बांका) से रेस्क्यू किया गया है। बच्ची की उम्र लगभग 08 वर्ष है। बच्ची बोल नहीं सकती है। बच्ची के परिजन सहायक निदेशक, जिला बाल संरक्षण इकाई (9835657900), बाल संरक्षण पदाधिकारी (7209613996), बाल कल्याण समिति (9939646100) या चाइल्ड हेल्प लाइन (7870412173) पर संपर्क कर सकते हैं। बच्ची को बालिका गृह, भागलपुर में आवासित कराया जा रहा है।

पुलिस ने 20 लीटर देसी शराब के साथ तस्कर को किया गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

बौंसी। बंधुआकुरावा पुलिस ने शनिवार को 20 लीटर देसी शराब के साथ एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार बंधुआकुरावा थाना क्षेत्र के धर्मपुर गांव से पुलिस ने 20 लीटर देसी शराब के साथ एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार शराब तस्कर की पहचान धर्मपुर गांव निवासी दीपक पासवान के रूप में की गई है। जानकारी देते हुए बंधुआकुरावा थानाध्यक्ष अनिरुद्ध कुमार ने बताया कि, गुप्त सूचना के आधार पर धर्मपुर गांव में छापेमारी कर 20 लीटर देसी शराब के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज करते हुए मेडिकल जांच करने के उपरांत शराब तस्कर को जेल भेज दिया गया।

मंदार महोत्सव 2025 के मद्देनजर मंदार खेल प्रतियोगिता का आयोजन हेतु सी एन डी मैदान का किया गया निरीक्षण

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

बौंसी। उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में शनिवार को सी एन डी मैदान में अपर समाहर्ता, बांका ,जिला खेल पदाधिकारी, बबन कुमार , एसडीएम बांका नगर परिषद के एक्जीक्यूटिव ऑफिसर आदि के द्वारा संयुक्त रूप से मैदान का निरीक्षण किया गया। मालूम हो कि मंदार महोत्सव 2025 के शुभ अवसर पर मंदार खेल प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 14 जनवरी से दिनांक 17 जनवरी तक भव्य रूप से आयोजन किया जाएगा। यहां पर विभिन्न खेल जैसे वॉलीबॉल फुटबॉल क्रिकेट तीरंदाजी कबड्डी कुश्ती खो खो इत्यादि खेल का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए अभी से मैदान दुरुस्त करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। जिसमें मैदान का समतलीकरण, कुश्ती मैदान का निर्माण, साफ सफाई इत्यादि करने हेतु एग्जीक्यूटिव ऑफिसर नगर पंचायत को विकास आयुक्त द्वारा निर्देश दिया गया।

द बिहार टीचर्स हिस्ट्री मेकर्स छठे स्थापना दिवस पर समिति का गठन

सरकारी विद्यालय के शिक्षकों के ऑनलाइन शिक्षण का सबसे बड़ा मंच है

दैनिक बिहार पत्रिका / छपरा

द बिहार टीचर्स हिस्ट्री मेकर्सरु संपूर्ण बिहार से सरकारी विद्यालयों के नवाचारी शिक्षकों का ऑनलाइन शिक्षण प्रदान करने वाला सबसे बड़ा मंच है। प्रत्येक वर्ष चार दिसंबर को टीबीटी का स्थापना दिवस मनाया जाता है जो कि इस बार बेली रोड में मुख्यमंत्री आवास के निकट स्थित माननीय सभापति,बिहार विधान परिषद,अवधेश नारायण सिंह के सरकारी आवास पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस छठे स्थापना दिवस के अवसर पर समूह को ट्रस्ट के रूप में निबंधित करने का बड़ा कदम उठाया गया। जिसमें सेटलर के रूप में डॉक्टर कुमार गौरव एवं दस ट्रस्टी को नामित किया गया। वहीं पैट्रान अभिभावक सदस्य के रूप में ग्यारह बड़ी हस्तियां एवं शिक्षाविदों का आशीर्वाद लिया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफलाइन शिक्षा एवं सभी प्रकार के सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर इन शिक्षकों को तैयार किया जाएगा और इस कार्य में गतिशीलता लाने के लिए सर्वसम्मति एवं अभिभावक सदस्यों के निर्णय के आधार पर राष्ट्रीय स्तर पर एक आंतरिक समिति का भी गठन किया गया। इस समिति के संयोजक के रूप में डॉ.कुमार गौरव व राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में डॉ.कुमार मदन मोहन को निर्वाचित किया गया। इसके अलावा उपाध्यक्ष क्रमशः मो. जियाउल होदा एवं रश्मि बाला वर्णवाल सचिव के रूप में रजनीश कुमार उपसचिव धर्मेंद्र कुमार,डॉ राम सज्जन सिंह एवं राजन कुमार, कोषाध्यक्ष अरविंद कुमार एवं मीडिया प्रभारी सह प्रवक्ता के रूप में डॉ.शिवकुमार प्रसाद एवं रीता कुमारी का निर्वाचन किया गया। सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को अभिभावक सदस्यों के द्वारा सम्मानित किया गया एवं अपने पद व दायित्व को निष्ठा पूर्वक निर्वहन करने हेतु शपथ दिलाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे माननीय सभापति बिहार विधान परिषद अवधेश नारायण सिंह ने कहा कि समाज के अग्रिम पंक्ति में खड़े ये शिक्षक अब और भी खुलकर समाज,संस्कृति और राष्ट्र के निर्माण में अपना अधिकतम योगदान कर सकेंगे। ये समूह एक इतिहास बनाएगा जो सभी समाज एवं राज्यों के लिए अनुकरणीय होगा। अभिभावक सदस्यों के द्वारा नवनिर्वाचित समिति के पदाधिकारियों को माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। इस आयोजन की जानकारी सारण जिला प्रेरक शोभा कुमारी ने दी।

राष्ट्रीय विद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता में सारण का प्रतिनिधित्व करेंगे ज्योतिष और बुची

दैनिक बिहार पत्रिका / छपरा

68वीं राष्ट्रीय विद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेने वाली बिहार की बालक एवं बालिका अंडर 19 टीम में सारण जिले के ज्योतिष प्रकाश एवं बुची कुमारी का चयन हुआ है। उक्त बात की जानकारी देते हुए सारण जिला कबड्डी संघ के सचिव पंकज कश्यप ने उन्हें अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि राज्य स्तरीय विद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता में इन दोनों खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन किया था। विद्यालय कबड्डी खेल के संयोजक सुशील सिंह ने बताया कि ज्योतिष प्रकाश सोनपुर प्रखंड के रघुवीर सिंह उच्च माध्यमिक विद्यालय, गोपालपुर का छात्र है। वही बुची कुमारी जे जे पी जी उच्च माध्यमिक विद्यालय, मशरक की छात्रा है। जिला खेल संघ के संरक्षक डॉ सुरेश प्रसाद सिंह, डॉ हरेंद्र सिंह, डॉ देव कुमार सिंह, उपाध्यक्ष अमरेंद्र सिंह, राकेश सिंह, कौशलेंद्र, सूरज

सुरक्षित शनिवार के तहत सर्दी-खांसी से बचने के उपाए बताए गए

दैनिक बिहार पत्रिका / छपरा

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के तहत शनिवार को जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में बच्चों को निमोनिया एवं सर्दी खांसी, जुकाम, आंख एवं त्वचा में होने वाले संक्रमण एवं चेचक से खतरे तथा इसके बचाव के उपाय की जानकारियां दी गयी। इस दौरान इसुआपुर प्रखण्ड के मध्य विद्यालय,इसुआपुर में चेतना सत्र के दौरान नामित फोकल शिक्षका शोभा कुमारी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि बदलते मौसम के साथ साथ इन दिनों सर्दी, खांसी, जुकाम बढ़ रहें हैं। इन बीमारियों से बचने के लिए बचपन के दिनों के नानी-दादी के नुख्से उपायों के बारे में बताते हुए कहा कि नींबू और इलायची का मिश्रण बनाकर आधा चम्मच शहद मिलाकर दो बार सेवन करने से खांसी जुकाम से काफी राहत मिलता है। गर्म पानी का सेवन से गले मे जमा कफ खुल जाता है। साथ ही सर्दी के मौसम में रोज हल्दी वाली दूध पीने से भी जुकाम को फायदेमंद साबित होता है, जो इंफेक्शन से बचाता है। बच्चों को निमोनिया से बचाव के लिए सावधानी और परहेज की सलाह दी। प्रधानाध्यापक जितेंद्र सिंह ने कहा कि निमोनिया होने की संभावना को कम करने के लिए सबसे जरूरी है। उसका संपूर्ण टीकाकरण किया जाय। साथ ही इसके बचाव के लिए शुद्ध छना हुआ पानी पीने, घरेलू उपचार में लहसून, अदरक, गोल मिर्च और प्याज फेफड़ों और श्वसन तंत्र के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होता है। इस कार्यक्रम के दौरान साहिना फिरदौस, जयप्रकाश सिंह,असगर अली उपस्थित रहे।

21 लीटर देसी महुआ शराब के साथ एक शराब कारोबारी एवं शराब के नशे में चार शराबी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका/ बांका

जिले के फुल्लीडुमर पुलिस ने शुक्रवार को शाम लगभग 7:00 बजे शराब बिक्री की गुप्त सूचना पर छापेमारी कर एक शराब कारोबारी को 21 लीटर देसी महुआ शराब के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया तथा शराब पार्टी करते चार युवक को भी पुलिस ने शराब के नशे में गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। फुल्लीडुमर थाना के पुलिस पदाधिकारी से मिली प्राप्त जानकारी के अनुसार फुल्लीडुमर बाजार में शराब बिक्री की गुप्त सूचना पर थाना अध्यक्ष बबलू कुमार के नेतृत्व में अपर थाना अध्यक्ष राजीव रंजन, एस आई संदीप कुमार मंडल, पीटीसी आशीष कुमार सिंह सहित अन्य सशस्त्र पुलिस जवानों के सहयोग से फुल्लीडुमर बाजार के फंटूश कुमार राय उर्फ मनोहर राय के घर छापेमारी की गई। जहां छापेमारी के दौरान पुलिस ने फंटूश कुमार राय के घर से अलग-अलग 21 पॉलिथीन में एक एक लीटर बंधे कूल 21 लीटर चूलाई गई देसी महुआ शराब को जप्त किया गया तथा मौके से शराब कारोबारी फन्टुस कुमार राय को भी पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पुलिस फुल्लीडुमर बाजार में शराब पार्टी करते चार लोगों को भी शराब के नशे में गिरफ्तार कर लिया गया। जिसके नाम पुलिस द्वारा मिथिलेश यादव ग्राम सबलपुर बौसी, निकेश यादव तथा सरवन यादव ग्राम धनकुडिया थाना खेसर एवं राजू मांझी ग्राम फुल्लीडुमर बताया गया। वहीं पुलिस ने शराब के साथ गिरफ्तार शराब कारोबारी के विरुद्ध बिहार मध्य निषेध कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए शनिवार को फुल्लीडुमर अस्पताल में स्वास्थ्य परीक्षण कराकर पुलिस अभिरक्षा में न्यायिक हिरासत में बांका जेल भेज दिया गया। जबकि गिरफ्तार चार शराबी को आर्थिक जुमार्ना हेतु बांका न्यायालय भेजा गया।

बच्चे राष्ट्र के धरोहर है और शिक्षक राष्ट्र के प्रहरी : समरेंद्र बहादुर सिंह

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

जिले के दरियापुर प्रखण्ड के जितवारपुर मध्य विद्यालय के प्रांगण में शिक्षक विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन शनिवार को किया गया। आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षक नेता समरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि बच्चे जहां राष्ट्र की धरोहर हैं, वहीं शिक्षक राष्ट्र के प्रहरी हैं। शिक्षक नेता ने कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नही होते बल्कि आजीवन समाज को नई दिशा देते रहते है।शिक्षक समाज का दर्पण होता है। भविष्य की नई राह दिखाने वालों को शिक्षक कहते हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया का एक शिक्षक ही ऐसा कर्मचारी संवर्ग है जो विद्यालय में आने के साथ घंटी बजाता है और जाने के साथ भी घंटी बजाता है। सरकार शिक्षकों पर शक करना छोड़ दे। आज सरकारी विद्यालय में उन्हीं के बच्चे पढ़ते हैं जिनके माता-पिता ने शिक्षा का स्वाद नहीं चखा है।बिहार का प्रत्येक शिक्षक अपने कार्य के प्रति समर्पित है इस मौके पर माध्यमिक शिक्षक संघ के नेता विनोद राय,परिवर्तनकारी शिक्षक संघ के नेता जीतेंद्र कुमार पिंटू, महात्मा प्रसाद गुप्ता, शौकत अली, अंसारी जी,पूनम जी,सुमन जी, सरिता जी सहित अन्य सैकड़ो शिक्षक उपस्थित थे।

शराब के नशे में अवैध राइफल से फायरिंग करने वाला युवक गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका / छपरा

भेल्दी थाना क्षेत्र में शराब के नशे में धुत्त एक युवक के द्वारा अवैध राइफल से फायरिंग कर दहशत फैलाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई कर उस युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। जिसके पास से एक अवैध रायफल एवं तीन जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार वह शराब के नशे में धुत्त था। इस बात की जानकारी देते हुए सारण एसपी डॉक्टर कुमार आशीष ने बताया कि भेल्दी थाना पुलिस को सूचना मिली कि सोनहो में एक व्यक्ति शराब के नशे में फायरिंग कर रहा है। उक्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम सोन्हो स्थित फायरिंग करने वाले युवक के घर को घेराबंदी कर विधिवत छापामारी किया गया तो छापामारी के क्रम में एक अवैध देसी रायफल बरामद कर अभियुक्त अशोक राय को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। इस सन्दर्भ में गिरफ्तार अशोक राय के विरुद्ध भेल्दी थाना कांड संख्या- 376/24 दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त का आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ भेल्दी कांड संख्या- 147/22 एवं कांड संख्या- 118/22 दर्ज है। उसका आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। छापामारी दल में भेल्दी थाना के अपर थाना अध्यक्ष पु०अ०नि०ओम प्रकाश, स०अ०नि० मृत्युंजय कुमार एवं थाना के अन्य कर्मी शामिल थे।

लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने के लिए जागरूकता रैली का किया गया आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

शनिवार को जिला बाल संरक्षण इकाई, बांका के नेतृत्व में समाहरणालय, बांका से गांधी चौक, बांका तक लिंग आधारित हिंसा के उन्मूलन हेतु जागरूकता रैली/प्रभातफेरी का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य समाज में लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने के प्रति जनसामान्य को जागरूक करना और समानता व सुरक्षा का संदेश देना था। इस रैली में जिला बाल संरक्षण इकाई के पदाधिकारी एवं कर्मी, चाइल्ड हेल्पलाइन के कर्मी, विशिष्ट दत्तकग्रहण संस्थान के कर्मी, महिला हेल्पलाइन के कर्मी, और स्वयंसेवी संस्थाएं जैसे प्रथम और अंगिका नया सबेरा के पदाधिकारी एवं कर्मी शामिल हुए। सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए समाज में व्याप्त लिंग आधारित भेदभाव और हिंसा को समाप्त करने का संकल्प लिया। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने बैनर और पोस्टर के माध्यम से विभिन्न नारों और संदेशों को प्रस्तुत किया, जिनका उद्देश्य समाज में समानता, महिलाओं की सुरक्षा, और बच्चों के अधिकारों को सुनिश्चित करना था। इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण इकाई के अधिकारियों ने समाज के हर वर्ग से आग्रह किया कि वे लिंग आधारित हिंसा के खिलाफ आवाज उठाएं और ऐसे समाज के निर्माण में योगदान दें, जहां सभी के लिए समान अधिकार और सम्मान सुनिश्चित हो।

वैश्य समाज व बिहार के व्यवसायों ने अशोक अग्रवाल को मंत्री बनाने की मांग की

दैनिक बिहार पत्रिका/ खगड़िया

सम्पूर्ण वैश्य समाज के युवा जिलाध्यक्ष सोनू अग्रवाल ने आगामी होने वाले मंत्रीमंडल विस्तार कों लेकर आवाज उठाया और कहा वैश्य समाज की हिस्सेदारी तय की जाय जिससें वैश्य समाज मजबूत हों वही अग्रवाल ने कहा जिसकी जितनी भागीदारी उसकी उतनी हिस्सेदारी के तहत वैश्य समाज पिछड़ा वर्ग व अति पिछड़ा वर्ग से आते हैं। लेकिन वैश्य समाज के हर वर्ग को हमेशा दबाया गया है और अंतिम लाइन में रखा जाता है। वैश्य समाज बिहार सहित देश भर में कारोबार कर हर क्षेत्र में मजबूती से नींव कों मजबूत करतें हैं अपने देश का नाम रौशन करतें हैं। उसी कड़ी में सीमांचल क्षेत्र के लाल व हरदिल अजीज कटिहार के विकास पुरुष कहें जाने वाले वैश्य समाज के नेता कटिहार से 3 बार लगातार विधान पार्षद हैं जिसमें दों बार निर्दलीय व 1 बार पार्टी से चुने गये अशोक अग्रवाल जी जों लगातार अपने क्षेत्र में मेहनत कर रहे हैं हर वर्गों के बिच में ना किसी भेदभाव के कटिहार के विकास के समर्पित रहने वाले चारों तरफ कटिहार में चहुंमुखी विकास का काम किया वैश्य समाज के हित व्यापारीयों की हीत की आवाज हमेशा बुंलद करतें हुए साथ दिया इतना ही नहीं नगर निगम चुनाव में हर वर्ग का साथ मिला और कटिहार नगर निगम चुनाव में मेयर की कुर्सी पर भी बिहार में ऐतिहासिक वोटों से जीत दर्ज कर अपनी धर्म पत्नी उषा देवी अग्रवाल को मेयर बनाया।जिससें कटिहार के नगर निगम क्षेत्र का चहुंमुखी विकास हों जिसके लिए वो हमेशा तत्पर रहतीं हैं। पूरे सीमांचल सहित बिहार के हर वर्ग के वैश्य समुदाय एवं व्यापारीयों कों अशोक अग्रवाल जी के मंत्रीमंडल में शामिल करनें से फायदा होगा वहीं व्यापारीयों ने कहा अशोक अग्रवाल सबका साथ सबका विकास की निति कों लेकर हमेशा काम करतें रहें हैं। अशोक अग्रवाल जी कों मंत्रीमंडल में शामिल किया जाना चाहिए जिससे वैश्य समाज व व्यापारी वर्ग के लोगों को बिहार में उचित सम्मान मिल सकें। वहीं वैश्य समाज के सभी संगठनों व संस्थाओं नें इस मांग का समर्थन किया।

पथ का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण का किया गया कार्य

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

जिला पदाधिकारी बांका अंशुल कुमार के निर्देश पर ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल बांका -2 के अंतर्गत बाराहाट प्रखंड में निमार्णाधीन भेड़ामोर पंजवारा पथ से परबत्ता तक पथ का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण का कार्य शनिवार को सहायक अभियंता सोनू कुमार के द्वारा किया गया है। पथ में पीसीसी का कार्य प्रगति पर है। साथ ही ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल बांका -1 के अंतर्गत बेलहर प्रखंड में बेलहर छगलचरा पथ का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण का कार्य शनिवार को कनीय अभियंता समित सिंह के द्वारा किया गया है। पथ में ग्रेड कककका कार्य प्रगति पर है।

खास खबरे

दो लाख रुपया धोखाधड़ी की प्राथमिकी दर्ज

दैनिक बिहार पत्रिका/डेहरी

रोहतास जिला के अगरेड़ खुर्द गांव निवासी दीपक कुमार पाण्डेय ने अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध दो लाख रुपए की धोखाधड़ी की प्राथमिकी साइबर थाना में दर्ज कराया है। पुलिस को बताया है कि 27 एवं 28 नवंबर के मध्य किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके पीएनबी खाता से करीब 2 लाख रुपए गुगल पे के यूपीआई से ट्रांजेक्शन के मार्फत अन्य बैंक खातों में ट्रांसफर कर लिया। उन्होंने जब बैलेंस चेक किया तो अपना पैसा कम पाया। पता चला कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके साथ धोखाधड़ी की है। इसके बाद तुरंत साइबर क्राइम वेबसाइट पर एक ऑनलाइन शिकायत दर्ज करवाया। जिसके बाद 1 लाख 71 हजार रुपया होल्ड पर हो चुका है। उन्होंने कार्रवाई की मांग की है। इधर मामले में पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दिया है।

आंगनबाड़ी केंद्र में गोद भराई रश्म कर दम्पति को दिया उपहार

दैनिक बिहार पत्रिका/ बांका

जिले के चांदन प्रखंड के सिलजोरी पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर 1 अवस्थित सक्षम आंगनबाडी सिलजोरी केंद्र संख्या तीन पर शनिवार 7 दिसंबर को आईसीडीएस विभाग की ओर से सीडीपीओ वंदना दास कि अध्यक्षता में गोद भराई दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर गर्भवती महिलाओं को उपहार के रूप में पोषण की पोटली भी दी गई। जिसमें गुड़, चना, हरी पत्तेदार सब्जियां, आयरन की गोली, पोषाहार व फल आदि शामिल थे। महिलाओं को उपहार स्वरुप पोषण की थाली भी दी गयी, जिसमें सतरंगी थाली व अनेक प्रकार के पौष्टिक पदार्थ शामिल थे। गर्भवती महिलाओं को चुनरी ओढ़ाकर और टीका लगाकर गांव कि एक महिला मोना कुमारी पति भानु तुरी की गोद भराई की रस्म पूरी की। सीडीपीओ वंदना दास ने उक्त गर्भवती महिला को अच्छे सेहत के लिए पोषण की आवश्यकता व महत्व के बारे में जानकारी दी। ज्ञात हो कि हर माह की 7 तारीख को यह गोद भराई दिवस मनाया जाता है। गोद भराई रस्म में पोषक क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं अन्य महिलाओं ने भाग लिया। सेविका नीरव देवी द्वारा गर्भवती महिलाओं के सम्मान में उसे चुनरी ओढ़ाकर, उसे तिलक लगाई और गर्भस्थ शिशु की बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए गोद में पोषण संबंधी पुष्टाहार फल सेव, संतरा, पपीता, दूध, अंडा देकर गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को आयरन की गोली खाने की सलाह दी। चांदन प्रभार सीडीपीओ वंदना दास ने कहा कि जैसे ही महिलाओं को गर्भधारण की पुष्टि हो जाय वे निकटतम स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सक के निगरानी में रहें, तथा नियमित रूप से चेक-अप कराते रहना है। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को गर्भधारण से लेकर बच्चे के जन्म तक बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताई। आखिरी महीनों में शरीर को अधिक पोषक तत्वों की जरूरत होती है। इस दौरान आहार में प्रोटीन, विटामिन, काबोहाइड्रेट के साथ वसा की भी मात्रा का होना जरूरी होता है। महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, जननी सुरक्षा योजना, मातृ शिशु सुरक्षा कार्ड, प्रसव पूर्व देखभाल, एनीमिया की रोकथाम व पौष्टिक आहार के संबंध में जानकारी दी। सीडीपीओ ने बताई कि इस प्रयास के पीछे उद्देश्य यह है कि जागरूकता की कमी और अभाव में गर्भवती महिलाओं में खून की कमी आ जाती है। प्रेग्नेंसी के दौरान ध्यान न देने पर महिला कमजोर हो जाती हैं। जिस-के कारण पैदा होने वाला बच्चा कमजोर और कुपोषण का शिकार हो जाता है। ऐसी स्थिति न पैदा हो इसके लिए गर्भवती महिला को बेहतर देखभाल की जानकारी इस दिवस के मौके पर दी गई, और पौष्टिक आहार लेने की सलाह दी गई है। मौके पर सीडीपीओ वंदना दास, सेविका नीरव देवी, ग्रामीण फुल कुमारी देवी, नीरीया देवी, मोहिनी देवी, गंगा कुमारी आदि योग्य दम्पति और बच्चे मौजूद थे।

शराबी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

दैनिक बिहार पत्रिका/ खगड़िया

जिले के अलौली थाना क्षेत्र के बुधौरा चौक से पुलिस ने नशे में धुत एक शराबी को गिरफ्तार कर शनिवार को न्यायिक हिरासत खगड़िया भेज दिया। गिरफ्तार शराबी समस्तीपुर जिले के बिथान थानांतर्गत बिसुआ गांव निवासी अशर्फी मुखिया का 27 वर्षीय पुत्र दशरथ मुखिया बताया जा रहा है। पुलिस अवर निरीक्षक अजय कुमार द्वारा की गई कार्रवाई में उसे नशे की हालत में पकड़ा गया। इधर, अलौली थानाध्यक्ष समरेन्द्र कुमार ने जानकारी दी कि ब्रेथ एनलाइजर से जांच में शराब पीने की पुष्टि हुई। शराब व शराबियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है।

शराब पीकर दो पक्षों में जमकर मार-पीट

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

चांदन। बिहार में कहने को तो शराब बंदी कानून लागू है, बावजूद कुछ गांव कस्बों में अवैध शराब कि बिक्री धड़ल्ले से हो कि बात सामने देखा जा रहा है। ऐसा ही एक मामला चांदन थाना क्षेत्र के कोरिया तुरी टोला गांव से सामने आया है। बताया जा रहा कि कुछ शराबी द्वारा शराब पीकर उत्पात मचाने को लेकर दो पक्षों के बीच जम कर मारपीट हो गई, मारपीट कि घटना में एक महिला जख्मी हो गई। जानकारी के अनुसार कोरिया तुरी टोला गांव के दीनदयाल तुरी, नन्दलाल तुरी, मिथुन तुरी पिता धनेश्वर तुरी, शम्भू तुरी पिता बासकी तुरी,धनेश्वर तुरी आदी ने शराब के नशे में गाली-गलौज कर रहा था। विरोध करने पर आरोपित सभी लोगों ने लाठी-डंडे से मारपीट कर जख्मी कर दिया। घटना को लेकर पिड़ित चन्द्रावती देवी ने चांदन थाना में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराया है इस संबंध में थानाध्यक्ष विष्णुदेव कुमार ने बताया घटना को लेकर एफआईआर दर्ज कर लिया गया है।

महापौर ने लॉन्च की बैद्यनाथ प्रसाद फाउंडेशन कि केट ट्रॉफी

पटना। स्थानीय क्रिकेट एकेडमी ऑफ बिहार के ग्राउंड पर आगामी 10 दिसंबर से बैद्यनाथ प्रसाद फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित होने वाले बैद्यनाथ प्रसाद मेमोरियल अंडर-13 इंटर स्कूल इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट की ट्रॉफी का अनावरण शनिवार श्शनिवार को किया गया। मौर्यलोक परिसर स्थित पटना मेयर के कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में ट्रॉफी का अनावरण पटना की महापौर सीता साहू ने सशक्त स्थाई समिति के सदस्यगण एवं पार्षद की मौजूदगी में किया। टूर्नामेंट के बारे में जानकारी देते हुए स्व. बैद्यनाथ प्रसाद के पुत्र सह आयोजन अध्यक्ष शिशिर कुमार ने बताया कि इस प्रतियोगिता में स्कूल, एकेडमी और संस्थानों की टीमें हिस्सा लेंगी। उन्होंने कहा कि मैच नॉकआउट आधार पर खेले जायेंगे। इस टूर्नामेंट में 16 टीमों को भाग लेने की अनुमति दी जायेगी। मैच का संचालन पैनल अंपायरों के द्वारा कराया जायेगा। मैच 25-25 ओवर के खेले जायेंगे। उन्होंने बताया कि मैच सरदार पटेल स्पोर्ट्स फाउंडेशन के संस्थापक सचिव संतोष तिवारी आयोजन सचिव होंगे जबकि क्रिकेटर सुमित शर्मा को संयोजक के रूप में काम करेंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में स्कूल, एकेडमी और संस्थानों की टीमें हिस्सा लेंगी। उन्होंने कहा कि मैच नॉकआउट आधार पर खेले जायेंगे। इस टूर्नामेंट में सिर्फ 24 टीमों को भाग लेने की अनुमति दी जायेगी। मैच पैनल अंपायर करेंगे। उन्होंने बताया कि मैच 25-25 ओवर के खेले जायेंगे। प्रतिदिन 2-2 मैच खेले जायेंगे। उन्होंने बताया कि इस टूर्नामेंट के विजेता व उपविजेता टीम को चमचमाती ट्रॉफी के अलावा प्लेयरों को व्यक्तिगत पुरस्कार दिये जायेंगे। साथ ही प्रतिदिन मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया जायेगा। साथ ही प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट, बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर, बेस्ट फील्डर समेत कई पुरस्कार दिये जायेंगे।

सेविका की लापरवाही से नौनिहाल बच्चों का ज़िन्दगी अंधकार

दैनिक बिहार पत्रिका/उमाकांत साह।

चांदन/बांका। एक तरफ आंगनवाड़ी केंद्र में प्रति माह कि तरह निर्धारित समय सुबह साढ़े नौ बजे आंगनबाड़ी केंद्र खोलकर सीडीपीओ वंदना दास कि अध्यक्षता में गोद भराई का रश्म अदा कर गर्भवती महिलाओं को जागरूक कर रही है, वहीं दुसरी तरफ चांदन प्रखंड के कुछ आंगनबाड़ी केंद्र कि सेविका कि लापरवाही का ग्रामीण दंश झेलने को मजबूर है। मामला चांदन प्रखंड के उत्तरी बारने पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर 9 नारायण डीह गांव अवस्थित समेकित बाल विकास सेवा परियोजना आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 47 कि है। जहां कार्यरत सेविका किरण देवी कि लापरवाही इस कदर है कि केंद्र खुला नहीं रहने से बच्चों में शिक्षा कोशों दूर भागती चली जा रही है। ग्रामीण रोहित कुमार ने बताया कि मेरी पत्नी तीन महीने बच्चे कि मां है, लेकिन सेविका किरण देवी द्वारा आज तक गर्भवती व धात्री का पोषण आहार (टेक होम राशन) नहीं दिया गया है। मांगने पर डाटा अपलोड करने कि बात कहकर बुलाई है, लेकिन 11 बजे तक आंगनबाड़ी सेविका केंद्र खोलना तो दूर यहां उपस्थित भी नहीं है। सेविका कि रवैया से तंग आ गया हूं। दुसरी ओर गांव कि एक महिला उषा देवी ने बताई कि आंगनबाड़ी सेविका किरण देवी सही समय पर केंद्र नहीं खोलती है। उनका केंद्र खोलने का समय अक्सर 11 बजे के बाद होती है। जिससे गांव के छोटे-छोटे बच्चों में अच्छी शिक्षा और पोष्टिक आहार से कोसों दूर हैं, आगे ग्रामीण उषा कुमारी ने बताई कि आईसीडीएस द्वारा प्रति माह मिलने वाली टेक होम राशन में कटौती कर लेती है। पिछले दो दिन पहले टेक होम राशन में एक प्लास्टिक जग से आधा किलो मसूर दाल और दो जग चावल, एक सौ ग्राम के लगभग सौयाबीन बरी ही वितरण दिया गया है। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि सेविका किरण देवी कि लापरवाही में सुधार नहीं हुआ तो, सामुहिक हस्ताक्षर युक्त आवेदन देकर जिला पदाधिकारी बांका को अवगत कराने का वाध्य होना पड़ेगा। इस संदर्भ में सीडीपीओ वंदना दास ने बताई कि जांच कर लापरवाही बरतने वाली सेविका पर विधिसम्मत कार्रवाई कि जाएगी।

दुखदः संदेहास्पद परिस्थिति में हुई ससुराल में दामाद की मौत, पड़ताल में जुटी पुलिस

दैनिक बिहार पत्रिका/सुपौल

संदेहास्पद परिस्थिति में ससुराल आए दामाद सलेन सरदार (22) की मौत हो गई। जिसकी पड़ताल में पुलिस जुट गई है। जानकारी अनुसार राजेश्वरी थानाक्षेत्र के महम्मदगंज वार्ड संख्या 16 स्थित ससुराल में एक यूवक के संदेहास्पद परिस्थिति में मौत होने का मामला सामने आया है। यह घटना शुक्रवार देररात की बताई जा रही है। सुचना के बाद अवर निरीक्षक गौतम कुमार पांडेय मृतक के ससुराल पहूंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सुपौल भेज दिया। मृतक यूवक भपटियाही वार्ड संख्या 12 निवासी लत्तर सरदार का 22 वर्षीय पुत्र सलेन सरदार बताया जा रहा है। जानकारी अनुसार मृतक यूवक की शादी दो वर्ष पूर्व महम्मदगंज निवासी गोनर सरदार के पुत्री से हुई थी। पत्नी के अवैध संबंध रहने के कारण मृतक यूवक नाराज चल रहा था। महीनों से उसकी पत्नी मायके में ही रह रही है। शुक्रवार की शाम वह पत्नी की बिदाई के लिए ससुराल पहूंचा था। लेकिन ससुराल में उसकी पत्नी नहीं थी। वह किसी रिस्तेदार के यहां महीनों से रह रही है। इस बात से आक्रोशित यूवक को ससुराल पक्ष के लोगों के साथ अनबन हुई थी। भपटियाही प्रखंड के ढोली पंचायत वार्ड 12 निवासी मृतक सलेंद्र सरदार हैं। जिसकी पत्नी का नाम करीना देवी है। इस संदर्भ में अवर निरीक्षक श्री पांडेय ने बताया कि यूवक के मौत के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सुपौल भेजा है। इसके साथ ही कई एंगल से घटना की जांच की जा रही है।

शिविरः दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर के पहले दिन हुई 50 रोगियों की जांच

दैनिक बिहार पत्रिका/सुपौल

मारवाडी यूवा मंच शाखा जदिया के बैनर तले स्वास्थ्य जागरूकता के लिए लोटस टीएमटी बार मेडिकल बस शनिवार को छातापुर पहूंची। मुख्यालय स्थित मां सावित्री फ्यूल सेंटर परिसर पहूंची मेडिकल बस के माध्यम से दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर में पहूंचे रोगियों का सुक्ष्म रजिस्ट्रेशन कर उसके स्वास्थ्य की जांच की गई और उचित परामर्श के साथ दवा भी दिया गया। शिविर में पैथोलॉजी, ईसीजी, एक्सरे सहित विभिन्न प्रकार के जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। जिसके निमित अलग अलग रजिस्ट्रेश सूक्ष्म शुल्क लेकर सुविधा प्रदान किया गया। शिविर के पहले दिन 50 रोगियों की जांच हुई। शिविर में खासकर दांत, ऑख, नाक, कान, गला, हृदयरोग, रक्तचाप, मधुमेह आदि के रोगी पहूंचे थे। स्वास्थ्य शिविर में कुशल व अनुभवी चिकित्सों की टीम के द्वारा रोगियों की जांच कर उसके कष्ट को दूर करने की कोशिश की गई। टीम में डा. सावन राय, दंत चिकित्सक डा. हार्दिक गगलनी, नेत्ररोग के डा सोफिकूल इस्लाम, जेनरल फिजिशियन डा. मिलन बैरा, रेडियोलॉजी डा. शाहजहां अली, गाजी पैथोलॉजी आदि शामिल हैं। वहीं मेडिकल बस आधुनिक सुविधाओं और सभी प्रकार के स्वास्थ्य जांच उपकरणों से लैश थी। नेत्ररोग के पीड़ितों को मामुली शुल्क पर चश्मा के साथ दवा भी दिया जा रहा था। शिविर का संचालन कर रहे मारवाडी यूवा मंच जदिया के प्रेसिडेंट तेजस अग्रवाल ने बताया कि आमलोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए मेडिकल कैंप लगाया गया है। कैंप के माध्यम से जरूरतमंद एवं लाचार बेवश रोगियों को चिकित्सीय सुविधा प्रदान की जा रही है। वहीं मेडिकल बस इंचार्ज संजय गुप्ता ने बताया कि आनंद लोक हॉस्पीटल कोलकाता के संस्थापक रमेश चंद्र गोयल के सौजन्य से यह मेडिकल बस भेजा गया है।

फोन पर रंगदारी मांगने के मामले में दो आरोपी को एक सहित तीन मोबाइल के साथ किया गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका/उमाकांत साह।

चांदन/बांका। प्रखंड के सुइयां थाना अंतर्गत पेसराहा गांव के मोहम्मद आलम अंसारी ने सुइयां थाना में बीते तीन दिसंबर को फोन पर रंगदारी मांगने के मामले में आवेदन देकर कार्रवाई करने कि मांग कि गई थी। जिसके आलोक में बेलहर प्रक्षेत्र एसडीपीओ राजकिशोर कुमार के नेतृत्व में सुइयां थाना अध्यक्ष विशाल कुमार आदि पुलिस ने स्पेशल टेक्निकल रिसर्च के सहयोग से दो आरोपी को एक मोटरसाइकिल के साथ तीन मोबाइल सहित गिरफ्तार कर लिया है, गिरफ्तार आरोपी कि पहचान आनन्दपुर थाना के गोरियंबा गांव निवासी रोहित रमानी के पुत्र बिकी कुमार व सुइयां थाना क्षेत्र के पेसार गांव निवासी चंदन कुमार पिता पिकू यादव सामिल है। सीडीपीओ रजकिशोर कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि अप्राथमिक दोनों गिरफ्तार अभियुक्त मोहम्मद आलम को फोन पर धमकी भरे लहजे में रंगदारी कि मांग कि जा रही थी। इस घटना में प्रयोग किए गए मोबाइल पर बांका टेक्निकल टीम के सहयोग और सुइयां थाना अध्यक्ष विशाल कुमार के सफल प्रयास से दोनों आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई करते हुए जेल भेजा दिया।

विद्यापति प्लस टू स्कूल के 23 छात्र गए एक्सपोजर विजिट पर

दैनिक बिहार पत्रिका/ समस्तीपुर

जिले के विद्यापतिनगर प्रखंड अंतर्गत विद्यापति प्लस टू स्कूल मऊ वाजिदपुर दक्षिण में गठित मानक क्लब के 23 छात्र-छात्राओं का एक दल शनिवार को एक्सपोजर विजिट पर ताजपुर स्थित ड्यूराटेक सीमेंट इंडिया लिमिटेड गया है। प्रभारी प्रधानाध्यापक अमित भूषण ने हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया। जानकारी देते हुए प्रभारी प्रधानाध्यापक अमित भूषण ने बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो की पटना शाखा के द्वारा दो वर्ष पूर्व विद्यालय में मानक क्लब की स्थापना की गई है, जिसमें विद्यालय के 26 छात्र सदस्य है। श्री भूषण ने बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो के निर्देश पर आज 23 छात्रों का एक दल एक्सपोजर विजिट पर ताजपुर गया है, जहां सीमेंट उत्पादन के बारे में छात्रों को सीखने का अवसर मिलेगा। इस विजिट का उद्देश छात्रों को स्वरोजगार के प्रति उन्मुख करना है। उन्होंने कहा कि आज सरकारी नौकरी लगातार कम हो रही है, ऐसे में छात्रों को उद्योग व उद्यम का ज्ञान होना आवश्यक है, ताकि वे अपने क्षेत्र में उद्योग स्थापित कर स्वयं के साथ लोगों को भी रोजगार देने में सक्षम बन सकें। मेंटर मजरूल हसन ने बताया कि नवाचार के लिए छात्रों को सीमेंट फैक्ट्री भेजा गया है। मौके पर विधायक के सभी शिक्षक मौजूद थे।

मंदार महोत्सव 2025,बौसी मेला/पापहरनी मेला की तैयारी एवं विधि व्यवस्था से संबंधित आयोजित की गई बैठक

मेला परिसर, रेलवे मैदान से अतिक्रमण हटाने के लिए अंचल अधिकारी को दिया गया निर्देश

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

बौंसी। आगामी मंदार महोत्सव सह राजकीय बौंसी मेले की तैयारी को लेकर जिला प्रसाशन के द्वारा कवायत तेज कर दी गयी है। जिसको लेकर जिला पदाधिकारी बांका अंशुल कुमार की अध्यक्षता में एवं मंत्री भवन निर्माण विभाग, जयंत राज , सांसद, बांका गिरधारी यादव, विधायक, बांका राम नारायण मंडल, विधायक कटोरिया, डॉक्टर निक्की हेंब्रम की उपस्थिति में वन विभाग बांका के बौसी स्थित निरीक्षण भवन में मंदार महोत्सव 2025 (बौसी मेला/पापहरनी मेला) की तैयारी एवं विधि व्यवस्था से संबंधित समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। समीक्षा के दौरान कार्यपालक अभियंता लोक स्वास्थ्य प्रमंडल, से मेला के दौरान पेयजल, शौचालय एवं चेंजिंग रूम की जानकारी ली गई। कार्यपालक अभियंता लोक स्वास्थ्य प्रमंडल द्वारा जानकारी दिया गया कि 10 स्थाई एवं 10 अस्थाई शौचालय एवं 40 चेंजिंग रूम का निर्माण किया जाएगा। जिला पदाधिकारी द्वारा शौचालय मरम्मती एवं साफ सफाई का कार्य 20 दिसंबर तक पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके साथ-साथ उनके द्वारा गर्म पानी की व्यवस्था करने हेतु भी निर्देशित किया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा मेला अवधि में शौचालय का निरंतर साफ-सफाई करने हेतु निर्देशित किया गया। कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल, बांका को मेला परिसर एवं मंदार पापहरणी परिसर में लाइटिंग की व्यवस्था दुरुस्त करने तथा किसी भी तार के खुले हुए या टूटे हुए ना होने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। उन्हें ट्रांसफार्मर का भी जांच करने का निर्देश दिया गया ताकि मेला परिसर में बिजली की व्यवस्था अच्छी तरह से किया जा सके। जिला पदाधिकारी द्वारा मेला परिसर में जितने भी लाइट खराब है उसे दुरुस्त करने हेतु निर्देशित किया गया। जिला कृषि पदाधिकारी को कृषि प्रदर्शनी के रंग रोगन करने तथा सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने हेतु निर्देशित किया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा कृषि पदाधिकारी, मत्स्य पदाधिकारी एवं उद्यान पदाधिकारी से उनके द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी की जानकारी ली गई तथा उन्हें तय समय में पूरा करने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा मेला परिसर, रेलवे मैदान से अतिक्रमण हटाने के लिए अंचल अधिकारी, बौसी को निर्देश दिया गया। अंचल अधिकारी, बौंसी को पर्वत की सीढ़ी की रंग-रंगाई कराने का निर्देश दिया गया। खेल पदाधिकारी को सीएनडी मैदान में सभी खेल प्रतियोगिता कराने के लिए उचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा अंचल अधिकारी को पालकी सज्जा की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। मेला 14 जनवरी 2025 से 16 जनवरी 2025 तक चलेगी इसमें होने वाली सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों को मौका देना हेतु निर्देशित किया गया। 17 जनवरी को मेला की समाप्ति के उपरांत भी मेला परिसर में विधि व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी , अनुमंडल पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी को निर्देशित किया गया कि मेले में आने वाले वाहनों के ठहराव (पार्किंग) का समुचित व्यवस्था करे, जिसमें पर्याप्त रौशनी, विद्युत , पानी की व्यवस्था हो। उक्त बैठक में डॉक्टर सत्य प्रकाश, पुलिस अधीक्षक, बांका, अंजनि कुमार, उप विकास आयुक्त, बांका, अजीत कुमार सिंह, अपर समाहर्ता, बांका, अमरेश कुमार, वरिय कोषागार पदाधिकारी, बांका, सभी कार्यपालक अभियंता, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत, बौसी, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी बौंसी, एस डी पी ओ बौंसी,इंस्पेक्टर बौंसी, थानाध्यक्ष बौंसी सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

दरिहट में धूमधाम से मनाई गई श्रीराम विवाहोत्सव

श्री राम- लक्षमण की बारात में हजारों महिला पुरुष हुए शामिल

दैनिक बिहार पत्रिका / रोहतास

डेहरी। प्रखंड क्षेत्र के दरिहट स्थित बाबा सूरदास के कुटिया दरिहट स्थित श्री राम जानकी मंदिर में पुरूषोतम भगवान श्री रामचंद्र व जानकी माता का विवाहोत्सव मनाई गई। विवाह के कार्यक्रम हिन्दू रीति रिवाज से संपन्न कराई गई। सुबह 10 बजे से तिलकोत्सव का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। जिसमें भगवान के तिलक में श्रद्धालुओं अंग वस्त्र व नगद रुपए देकर तिलक के विधि पूरा कराया। तदोपरांत लग्न चुमन, हल्दी, मंडप का विधि कराई गई। जिसमें महिला श्रद्धालुओं पारंपरिक रीति रिवाजों से विधि को संपन्न कराई। दोपहर दो बजे मंदिर प्रांगण से रथ पर सवार होकर श्री रामचंद्र भगवान व लक्ष्मण भइया की बारात निकली। श्री रामचंद्र, लखन भइया व हनुमान जी मनोरम झाकी श्रद्धालुओं का आकर्षित कर रहा था। बारात में हजारों श्रद्धालु महिला पुरुष बाजा के धुन पर थिरकते रहे। बारात गांव के विंध्यवासिनी मंदिर, मनोकमापूर्ण मंदिर व काली मंदिर का पूजन करते हुए गांव भ्रमण कर पुनः मंदिर प्रांगण में पहुंची। जहां वधू पक्ष ने दोनों भाइयों का द्वार पूजन किया। जिस-के बाद विवाह की विधि प्रारंभ हुई। विवाह का कार्यक्रम देर रात तक चलती रही। विवाह में वर पक्ष से अशोक कुमार सिंह पत्नी के साथ यजमान बने। वही वधू पक्ष से मंतोष कुमार पत्नी के साथ विधि को पूरा कराया। भगवान राम का तिलक गोलू कुमार ने चढ़ाया। तो माता जानकी को अनिल कुमार सिंह ने वरनेत में अंगवस्त्र व आभूषण माता जानकी को अनिल कुमार सिंह ने वरनेत में अंगवस्त्र व आभूषण चढ़ाया। वही भुवर सिंह ने धान का लावा व पानी ढ़ार की रश्म पूरा किया। विवाह का कार्यक्रम को नरेंद्र पांडेय, संत विलाश पांडेय समेत आधा दर्जन विद्वान पंडितों ने मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराया। विवाह के कार्यक्रम के दौरान आगंतुक श्रद्धालुओं के लिए भोज का आयोजन किया गया था। जिसमें हजारों लोग भोज शामिल हुए। बवना बाबा के मूर्ति का हुआ अनावरणः राम विवाहोत्सव के अवसर पर राम जानकी मंदिर के प्रांगण में महंत व संगीतज्ञ रहे श्री 108 बावन जी महराज का मूर्ती का अनावरण किया गया। भक्तों ने बताया कि करीब 40 वर्षों तक मंदिर के महंत के रूप में सेवा देते रहे। एक जनवरी 2011 को स्वर्गवास हो गया था। इस मौके पर कृष्णा प्रसाद, विवेक कुमार सिंह, श्रीकांत पाल, अनिल कुमार सिंह, बिनोद सिंह, पारस राम, ललन पाल, बबलू गुप्ता, सुरेंद्र कुमार सिंह, उदयभान सिंह, रामकुमार गुप्ता उर्फ पंडित, सलीम अंसारी, सुनील कुमार आदि मौजूद थे।

दुर्घटनाः अज्ञात वाहन की चपेट में आने से वृद्ध महिला हुई जख्मी, इलाज हेतु अस्पताल में भर्ती

दैनिक बिहार पत्रिका/सुपौल

जिले के छातापुर थानाक्षेत्र के डहरिया अवस्थित रानीपट्टी नहर सड़क पर शनिवार पूर्वाहन अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक वृद्ध महिला जख्मी हो गई। दूर्घटना के बाद अज्ञात वाहन मौके से भाग निकला। राहगीरों की सुचना पर डायल 112 की पुलिस स्थल पर पहूंची और एंबुलेंस के लिए सीएचसी को सुचित किया। सुचना के तत्काल बाद मौके पर पहूंची एंबुलेंस से जख्मी महिला को सीएचसी ले जाया गया। जहां बुरी तरह जख्मी 60 वर्षिया महिला का उपचार चल रहा है। बताया जाता है कि हादसे के घंटों बाद भी जख्मी महिला की पहचान नहीं हो पायी है और ना ही उसका कोई परिजन सीएचसी पहूंचा है। ऐसे में नाजूक हालत में जख्मी महिला सीएचसी में बेड पर पड़ी हुई है। इस संदर्भ में सीएचसी प्रभारी डा. नवीन कुमार ने बताया कि जख्मी का पहचान ज्ञात नही होने पर उसे समुचित उपचार व देखभाल के लिए सदर अस्पताल सुपौल भेज दिया जायेगा।

एचएसपीसीबी के आदेशों के विरुद्ध पोर्टल पर करें अपील

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने सरकार की सुशासन की पहलों को आगे बढ़ाने की नीति के अनुसार https://appeal.harenvironment.gov.in वेब पोर्टल पोर्टल शुरू करने की घोषणा की। एक सरकारी प्रवक्ता ने गुरुवार को बताया कि इस अवसर पर अपीलीय प्राधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुरिंदर गुप्ता (सेवानिवृत्त), हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष-सह-उच्च शिक्षा के अतिरिक्त मुख्य सचिव विनीत गर्ग तथा हरियाणा तकनीकी शिक्षा बोर्ड के महानिदेशक प्रभजोत सिंह मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि यह वेबसाइट हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण), 1974 तथा वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के अंतर्गत पारित आदेशों के विरुद्ध ऑनलाइन अपील दायर करने की सुविधा प्रदान करती है। इस पोर्टल से वकीलों, अपीलकर्ताओं तथा आम जनता को अब अपीलीय प्राधिकरण द्वारा पारित वाद सूची, अंतरिम आदेशों तक पहुंच आसान हो जाएगी।

अरावली क्षेत्र में हरित रोजगार के अवसर सृजित करेगी सरकारः नरबीर

चंडीगढ़। हरियाणा के वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि पर्यावरण संतुलन को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मिशन लाइव पर्यावरण के लिए जीवन शैली व एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम की शुरुआत कर लोगों को पर्यावरण से जोड़ने की पहल स्वागत योग्य है। इस कड़ी में हरियाणा के अरावली क्षेत्र में हरियाली को बढ़ाने के लिए साउदी अरबिया की तर्ज पर अरावली ग्रीन वाल प्रोजेक्ट बनाई जाएगी। साउदी अरब के पांच दिन के दौरे के बाद राव नरबीर सिंह ने कहा कि साउदी अरब एक रेगिस्तानी देश है लेकिन वहां पर हरित पट्टीयां विकसित कर हरियाली को बड़े आकर्षक ढंग से बढ़ाया है। इसी को देखते हुए भारत सरकार ने हरियाणा को अरावली ग्रीन वाल प्रोजेक्ट तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी है। अरावली ग्रीन वॉल परियोजना के तहत हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और दिल्ली सहित चार राज्यों में 1.15 मिलियन हेक्टेयर से अधिक भूमि का सुधार बहु-राज्य सहयोग का एक अनुकरणीय मॉडल प्रदर्शित करना है। वनों की स्वदेशी प्रजातियों के साथ वनरोपण, जैव विविधता संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य में सुधार और भूजल पुनर्भरण को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना भी है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से अरावली क्षेत्र में स्थानीय लोगों के लिए हरित रोजगार के अवसर सृजित होंगे तथा जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरण अनुकूल संसाधन प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा।

कैश वैन व डस्टर गाड़ी की टक्कर में दो की मौत, चार घायल

हिसार। यहां की सैनिक छावनी के पास बैंक की कैश वैन व निजी डस्टर गाड़ी के बीच हुई टक्कर में कैश वैन में सवार दो लोगों की मौत हो गई। हादसे में चार लोग घायल हो गए। घायलों को जिले के नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। यह हादसा सैनिक छावनी के चार नंबर गेट के पास हुआ। मृतकों की पहचान संदीप व प्रेम के रूप में हुई है जो रोहतक के रहने वाले थे। घायलों में जगमेंद्र, गोपाल व रोहित है। डस्टर गाड़ी में हरियाणा पुलिस का जवान मिर्चपुर निवासी अनिल मौजूद था। वह भी हादसे में घायल हो गया है। सिविल सर्जन डॉ. सपना गहलावत व डिप्टी सीएमओ सुरेन्द्र बिश्नोई ने घायलों का हालचाल जाना और उनके शीघ्र उपचार के निर्देश चिकित्सकों को दिए। घायल जगमेन्द्र ने बताया कि वह अपने पांच साथियों के साथ रोहतक से हिसार सेंट्रल बैंक में आए थे और कैश लेकर वापस रोहतक जा रहे थे। दोपहर लगभग साढ़े तीन बजे के आसपास आर्मी कैंट के गेट नंबर 4 के दूसरी तरफ से डस्टर गाड़ी डिवाइडर से उछलकर उनकी गाड़ी से टकरा गई। हादसा इतना जोरदार था कि कैश वैन मे मौजूद पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से दो की मौत हो गई है। मृतकों में रोहतक जिले के भगवतीपुर निवासी प्रेम व बहू जमालपुर निवासी संदीप शामिल है जबकि घायलों में पुरा गांव निवासी जगमेन्द्र, बहु अकबरपुर निवासी गोपाल व खरकड़ा निवासी रोहित शामिल है।

वर्तमान परिदृश्य में अंतर्विषयक शोध की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : प्रो. विनोद छोकर

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) में 'एडवांस इंस्ट्रूमेंटेशन टेक्निक्स' विषय पर चल रहा अंतर्विषयक रिफ्रेशर कोर्स सम्पन्न हो गया है। दो सप्ताह तक चले इस कोर्स के समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि अध्यक्षता एमएमटीटीसी की निदेशिका प्रो. सुनीता रानी ने की। इस अवसर पर एमएमटीटीसी के उपनिदेशक डा. हरदेव सिंह व शिक्षा संकाय की अधिष्ठाता प्रो. वंदना पूनिया सहित कार्यक्रम समन्वयक डा. अनुराग सांगवान व डा. विक्रमजीत सिंह उपस्थित रहे।कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान परिदृश्य में अंतर्विषयक शोध की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। हमें अंतर्विषयक शोध पर फोकस करना होगा। हम अपने पास उपलब्ध उपकरणों को साझा करके एक दूसरे की मदद कर सकते हैं।

हरियाणवी संस्कृति का आईना है हरियाणा पवेलियन : बंडारू दत्तात्रेय

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने केयू तथा केडीबी के संयुक्त तत्वावधान में ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर पुरुषोत्तमपुरा बाग में स्थापित हरियाणा पवेलियन का उद्घाटन करते हुए कहा कि हरियाणा पैवेलियन हरियाणवी संस्कृति का आईना है जो सभी को हरियाणा की समृद्ध लोक कला एवं संस्कृति को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा पवेलियन के माध्यम से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हरियाणवी संस्कृति के उत्थान व संरक्षण में सराहनीय योगदान दे रहा हैं। इस सराहनीय योगदान के लिए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा बधाई के पात्र हैं। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय ने कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के साथ मिलकर हरियाणा की लोक

संस्कृति को सम्पूर्ण विश्व में आम जन तक पहुंचाने का कार्य किया है। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, तंजानिया की युवा संस्कृति एवं कला मंत्री ताबिया, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज, कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा व जिला उपायुक्त नेहा सिंह ने हरियाणा पैवेलियन में लगे सभी स्टाल का अवलोकन किया। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती समारोह में हरियाणा पैवेलियन युवा पीढ़ी को अपने राज्य की प्राचीन समृद्ध संस्कृति एवं विरासत को जानने, समझने तथा उससे जुड़ने का सुगम अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि हरियाण की लोक कला एवं संस्कृति की पहचान भारत में ही, नहीं अपितु पूरे विश्व में है। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल ने कहा कि हमें अपनी संस्कृति एवं संस्कार पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा गीता जयंती समारोह में हरियाणा पवेलियन ग्रामीण संस्कृति की चमक को बिखेर रहा है तथा यह लोक कला एवं संस्कृति का भी समृद्ध संगम है। तंजानिया की युवा संस्कृति एवं कला मंत्री ताबिया मौलिद ने कहा कि हरियाणा पवेलियन ग्राम्य संस्कृति का उत्कृष्ट उद्गम है जहां प्राचीन हरियाणावी लोक संस्कृति के बहुआयामी रंगों को प्रदर्शित किया गया है।

साहब, पड़ोसी का 5 मंजिला भवन धंस गया, हमारे मकान को भी क्षति पहुंची है..

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम में समाधान शिविर में गांव चौमा निवासी कप्तान सिंह ने निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग के समक्ष बिल्डिंग निर्माण की एक ऐसी समस्या रखी गई, जिससे बड़ा नुकसान हो सकता है। उनकी शिकायत पर निगमायुक्त ने तुरंत अपने अधीनस्थ अधिकारी को स्ट्रक्चरल ऑडिट के आदेश दिए।

शिकायतकर्ता कप्तान सिंह ने बताया कि उनके पड़ोसी द्वारा 5 मंजिला भवन का निर्माण किया जा रहा है। यह निर्माण अभी से टेढ़ा हो गया है। जमीन में भी धंस गया है। इसकी वजह से हमारे मकान की दीवारें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। उनके परिवार को जान-माल का नुकसान होने की संभावना बनी रहती है। निगमायुक्त ने सहायक अभियंता को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। नगर निगम गुरुग्राम में समाधान शिविर में 15 शिकायतें आई, जिनकी सुनवाई के दौरान निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से शिकायतों का समाधान करने के निर्देश दिए। समाधान शिविर में मुख्य रूप से सीवरेज, पेयजल, सड़क व अवैध निर्माण से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई, जिनकी समयसीमा निर्धारित करके संबंधित अधिकारियों को आगामी कार्रवाई शुरू करने के निर्देश निगमायुक्त द्वारा दिए गए हैं। समाधान शिविर में पहुंचे सरस्वती एनक्लेव आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि उनके क्षेत्र की कई समस्याएं समाधान शिविर के माध्यम से दूर हो गई हैं। उन्हें आशा है कि अन्य शिकायतों का समाधान भी जल्द ही होगा।

कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम का आगाज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में 28 नवंबर से 15 दिसंबर तक चलने वाले अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 के मुख्य कार्यक्रम का श्रीमद्भगवद्गीता के पूजन के साथ आगाज हुआ। समारोह में केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, खेल मंत्री टीएम मविता, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने गीता यज्ञ में पूर्ण आहुति डाली और ब्रह्मसरोवर पर पूजन किया। इससे पहले सभी अतिथियों ने इस बार के अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 के पार्टनर देश तंजानिया के पवेलियन का उद्घाटन करने के बाद वहां के खान-पान, रहन-सहन, परिधानों को दर्शाने वाले स्टॉल का अवलोकन किया। इस दौरान सूचना, जनसम्पर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग की राज्यस्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन व अवलोकन किया। प्रदर्शनी के माध्यम से हरियाणा सरकार की 10 साल की उपलब्धियों को विभिन्न विभागों के स्टॉलों के माध्यम से दर्शाया गया है। इसके अलावा उन्होंने सरस्वती हेरिटेज विकास बोर्ड की प्रदर्शनी का अवलोकन किया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गीता महोत्सव की प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार के प्रयासों से गीता जयंती को अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का दर्जा

मिला। 28 नवंबर से अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आरम्भ हो चुका है जो15 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान मानवमात्र को श्रीमद्भगवद्गीता का शाश्वत संदेश दिया जाएगा। इस बार अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में यूनाइटेड रिपब्लिक ऑफ तंजानिया सहयोगी देश तथा ओडिशा सहयोगी राज्य है। उन्होंने कहा कि सहयोगी राज्य ओडिशा के श्री जगन्नाथ मंदिर, उत्तर प्रदेश के वृन्दावन में बांके बिहारी मंदिर, मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर, गुजरात में द्वारिकधीश, उज्जैन में महाकालेश्वर और जयपुर में ठिकाना मंदिर श्री गोविंद देव जी में अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का लाइव प्रसारण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव में 18हजार विद्यार्थियों के साथ वैश्विक गीता पाठ, हरियाणा कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा विभिन्न राज्यों के कलाकारों के सांस्कृतिक कार्यक्रम, अंतरराष्ट्रीय गीता सेमिनार, ब्रहमसरोवर की महाआरती, दीपोत्सव, 48 कोस के 182 तीर्थों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

प्रदूषण फैलाने वाली 65 फैक्ट्रियों का बिजली कनेक्शन काटकर किया सील

एजेंसी

झज्जर। जिला उपायुक्त प्रदीप दहिया ने बताया कि जिले में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) की पाबंदियां प्रभावी ढंग से लागू की जा रही हैं। जिला प्रशासन द्वारा इस दिशा में अनेक कारगर कदम उठाए गए हैं, जिससे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में सुधार दर्ज किया गया है। एक्यूआई स्तर में सुधार के लिए बनाए गए एक्शन प्लान को विभाग आपसी समन्वय के साथ प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में बेहतर कार्य कर रहे हैं।डीसी ने बताया कि ग्रेप-4 के तहत निर्माण और तोडफ़ोड़ की गतिविधियों पर रोक, कचरा और पराली जलाने पर निगरानी, और औद्योगिक प्रदूषण को नियंत्रित करना सहित कई पाबंदियां शामिल है। जिला प्रशासन ने औद्योगिक इकाइयों को सख्त हिदायत दी है कि वे प्रदूषण नियंत्रण मानकों का पालन करें और नियम तोडऩे वाले उद्योगों पर कार्रवाई की जा रही है। हरियाणा स्टेट प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा ऐसी प्लास्टिक फैक्ट्रियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है जो प्रदूषण नियमों को तोड़ रही हैं। बुधवार को कार्रवाई करते हुए ऐसी 25 फैक्ट्रियों के बिजली

कनेक्शन काटते हुए उन्हें सील कर दिया गया। अभी तक बोर्ड द्वारा जिले में करीब 65 फैक्ट्रियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई की गई है। एचएसपीसीबी के एसडीओ अमित कुमार ने बताया कि कुछ ऐसी फैक्ट्रियों पर भी कार्रवाई की गई है जो सील करने के बावजूद खुली थी। ऐसी फैक्ट्रियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिले में गुरुवार शाम को एक्यूआई 196 के स्तर पर था। वाहनों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए पुरानी डीजल और पेट्रोल गाडिय़ों पर पाबंदी लगाई गई है। साथ ही, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। प्रशासन ने सडक़ों पर पानी का छिडक़ाव और धूल रोकने के लिए एंटी-स्मॉग गन का उपयोग किया जा है। प्रशासन के प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव वायु गुणवत्ता सूचकांक पर भी देखने को मिला है। पिछले सप्ताह की तुलना में एक्यूआई स्तर में गिरावट आई है, जिससे जिले में हवा पहले से साफ और बेहतर हुई है।

मिलकर चलाएंगे पुराने गन्ना किसानों को शुगर मिल से जोडऩे की मुहिमः डॉ अरविंद शर्मा

एजेंसी

जींद। सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी में हरियाणा किसानों को आर्थिक तौर पर सम्पन्न बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। आज हरियाणा सरकार न केवल किसानों का दाना-दाना खरीद रही है बल्कि 72 घंटे के अंदर उसका भुगतान भी कर रही है। हमें मिलकर पुराने किसानों को दोबारा से शुगर मिल से जोडऩे के लिए मुहिम चलानी है। जिसमें शुगर फेडरेशन, मिल प्रबंधन और जनप्रतिनिधि मिलकर काम करेंगे। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने झांझ कलां स्तिथ द जींद सहकारी चीनी मिल जींद के 40वें पेराई सत्र 2024-25 का हवन में आहुति डाल कर व मिल चेन पर

गन्ना डालकर विधिवत तौर पर शुभारंभ किया। कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि गन्ना पेराई सत्र किसानों के लिए उत्सव की तरह होता है। चार दशक पुरानी जींद शुगर मिल से किसानों का पुराना जुड़ाव रहा है। आज हमें गन्ने के होते रकबे को बढ़ाने के लिए सभी पुराने गन्ना उत्पादकों को जोडऩे का काम करना होगा। उन्होंने शुगर फेडरेशन के अधिकारियोंए मिल प्रशासन के साथ.साथ जनप्रतिनिधियों से भी आह्वान किया कि वो किसानों को गन्ना बिजाई के लिए प्रेरित करें। विशेषकर जो किसान पहले गन्ना उत्पादन कर चुके हैंए उन्हें अपने साथ नए सत्र में जोडऩे के लिए मिलकर काम करना होगा। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि आज हरियाणा न केवल किसानों को बेहतर गन्ना भाव दे रहा है, अपितु समय पर भुगतान की भी व्यवस्था कर रहा है। उन्होंने कहा कि जींद शुगर मिल प्रबंधन 15 दिन की बजाय एक सप्ताह में किसानों को गन्ना फसल का भुगतान करने का प्रयास करेंए ताकि किसानों को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। दी जींद सहकारी चीनी मिल गन्ना किसानों के हितों में निरंतर कार्य कर रही है। हरियाणा शुगर मिल्ज के चेयरमैन धर्मबीर डागर ने कहा कि प्रदेश के शुगर मिलों को मॉर्डन बनाने के लिए सरकार अथक प्रयास कर रही है। गन्ना उत्पादक किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार द्वारा मजबूत कदम बढ़ाये जा रहे हैं।

नगर निगम अब कंप्यूटराइज्ड रंगीन जन्म प्रमाण पत्र करेगा जारी

एजेंसी

गुरुग्राम। बच्चों के आधार कार्ड बनवाने की समस्या को लेकर पूर्व पार्षद मंगत राम बागड़ी ने निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग को मांग पत्र सौंपा। इस पर निगमायुक्त ने तत्काल संज्ञान लेकर कंप्यूटराइज्ड रंगीन जन्म प्रमाण पत्र बनाने के आदेश दिए। नगर निगम वाड-10 (नया घोषित वार्ड-33) के पूर्व पार्षद मंगत राम बागड़ी ने समाधान शिविर में निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग को मांग पत्र सौंपकर नगर निगम के माध्यम से रंगीन कंप्यूटराइज्ड जन्म प्रमाण पत्र जारी करने की मांग की। मांग पत्र सौंपते मंगत राम बागड़ी के साथ पूर्व डिप्टी मेयर परमिंदर कटारिया और सुरेंद्र पंडित भी मौजूद रहे। इस मांग पर तत्काल एक्शन लेते हुए निगमायुक्त ने मौके पर ही इस विभाग के इंचार्ज डॉक्टर आशीष सिंगला से बात की और उन्हें रंगीन कंप्यूटराइज्ड जन्म प्रमाण पत्र जारी करने के लिए निर्देशित किया। आश्वासन दिया कि अब बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र रंगीन कंप्यूटराइज्ड जारी किए जाएंगे।

मंगत राम बागड़ी ने निगमायुक्त को मांग पत्र सौंपकर अवगत कराया कि बच्चों के जन्म पर नगर निगम द्वारा जारी किए जाने वाले सामान्य जन्म प्रमाण पत्र को आधार केंद्रों पर रिजेक्ट किए जा रहे हैं। इसके कारण बच्चों का आधार कार्ड बनवाने के लिए अभिभावकों को घोर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को रंगीन कंप्यूटराइज्ड जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने में कार्यालयों का चक्कर काटना पड़ रहा है।

किसानों को रोकने के लिए तुगलकी फरमान जारी करना निंदनीय : सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा सरकार किसानों व आम जनता की आवाज को दबाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत यदि कोई अपनी बात सरकार तक पहुंचाना चाहते हैं तो उन्हें रोकने के लिए भी सरकार के इशारे पर प्रशासन द्वारा नए-नए तुगलकी फरमान जारी किए जा रहे हैं। अंबाला डीसी की ओर से भी एक ऐसा ही तुगलकी फरमान जारी किया गया है, जो निंदनीय है। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा कि किसान लंबे समय से एमएसपी गारंटी का कानून बनाने की मांग पर शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे हैं। शंभू व खनौरी बॉर्डर पर किसान धरना दे रहे हैं, लेकिन सरकार ने उनकी हर मांग को अनसुना कर रखा है। इसलिए किसान केंद्र सरकार तक अपनी मांग पहुंचाने के लिए 6 दिसंबर को दिल्ली जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सभी नागरिकों को शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात कहने का अधिकार है। इस अधिकार को कोई नहीं छीन सकता, मगर भाजपा सरकार लोगों के इस अधिकार को भी छीनना चाहती है। उन्होंने कहा कि किसानों को दिल्ली जाने से रोकने के लिए अंबाला के डीसी ने एक ऐसा ही आदेश पारित किया है जो न सिर्फ लोकतंत्र के खिलाफ है बल्कि

सरकार की तानाशाही को दर्शाता है। अंबाला के डिप्टी कमिश्नर ऑफिस की तरफ से जारी किए गए आदेश में लिखा है कि किसान दिल्ली पुलिस से परमिशन मिलने के बाद ही आगामी कार्यवाही करें, नहीं तो इस कार्यक्रम को स्थगित करें। अंबाला में धारा 163 लागू कर दी गई है।सैलजा ने कहा कि 5 या 5 से ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने पर रोक है। इसके साथ दिल्ली में आंदोलन के लिए दिल्ली पुलिस की परमिशन जरूरी है। हरियाणा-पंजाब के शंभू बॉर्डर पर पुलिस ने धारा 163 (पहले धारा 144) के नोटिस चिपकाए हैं। आदेश में कहा गया है कि 6 दिसंबर से जत्थों के रूप में शंभू बॉर्डर से दिल्ली कूच का आह्वान किया है और ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों से एकत्रित होने की अपील की है। ऐसे में आपको दिल्ली में प्रदर्शन-आंदोलन करने के लिए दिल्ली पुलिस की अनुमति लेना जरूरी है।

किसानों को एमएसपी देने का वादा पूरा करे भाजपा : हुड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि भाजपा किसानों को बिजाई के समय डीएपी, सिंचाई के समय यूरिया और कटाई के समय एमएसपी देने में हमेशा नाकाम साबित हुई है। यही वजह है कि बार-बार अपनी मांगों को लेकर किसानों को आंदोलन करना पड़ता है। सरकार किसानों की मांगों को नजरअंदाज कर रही है। पिछली बार आंदोलन खत्म करवाते हुए सरकार ने एमएसपी के लिए बाकायदा एक कमेटी बनाने का ऐलान किया था।

उन्होंने कहा कि इतना लम्बा समय बीत जाने के बाद भी किसानों के हाथ खाली हैं और वह सरकार को उसका वादा याद दिलाने के लिए दिल्ली जाना चाहते हैं। वे नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी को प्रजातंत्र में शांतिपूर्ण तरीके से कहीं भी आने-जाने या अपनी बात कहने का अधिकार है। लेकिन भाजपा सरकार किसानों से यह अधिकार छीनना चाहती है। पूर्व सीएम ने कहा कि किसानों ने सरकार के बात मानते हुए बिना ट्रैक्टर-ट्राली के दिल्ली जाने की बात मान ली है। ऐसे में उनको रोकना पूरी तरह अलोकतांत्रिक है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार विज्ञापनों में 24 फसलों पर एमएसपी देने की बात कहती है। जबकि सच्चाई यह है कि हरियाणा में कुल 24 फसलें होती

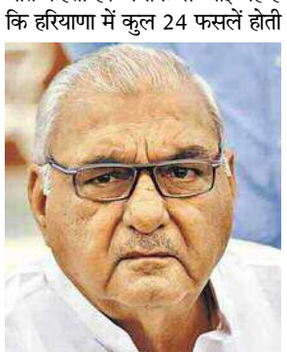

ही नहीं है और जो फसलें होती हैं, उन पर किसानों को कभी एमएसपी नहीं मिलती। धान का उदाहरण सभी के सामने है। चुनाव के समय मुख्यमंत्री ने किसानों को 3100 रुपये धान का रेट देने का ऐलान किया था लेकिन चुनाव के बाद सरकार अपने वादे को भूल गई और किसानों को एमएसपी तक नहीं मिल पाई।

किसानों को सिंचाई के लिए हर 24 दिन बाद आठ-आठ दिन मिलेगा नहरी पानी

एजेंसी

झज्जर। बहादुरगढ़ के विधायक राजेश जून ने अधिकारियों के साथ हलके की नहरों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को सभी नहरों की सफाई करने के निर्देश दिए। विधायक राजेश जून ने सिंचाई के लिए नहरों में छोड़े गए पानी का मौके पर जाकर निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा किसान को सिंचाई के लिए नहरी पानी की किल्लत का सामना न करना पड़े। सिंचाई के लिए नहरी पानी अंतिम टेल तक पहुंचे इसका अधिकारी विशेष ध्यान रखें।

विधायक राजेश जून ने बताया कि विधानसभा सत्र में उन्होंने किसान भाइयों की सिंचाई के लिए नहरी पानी की किल्लत का मुद्दा उठाकर इस समस्या का समाधान करने मांग सरकार से की थी। मौके पर सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता इशांत सिवाच व जेई पंकज जून ने विधायक राजेश जून को बताया कि अब हर 24 दिन बाद आठ-आठ दिन सिंचाई के लिए नहरी पानी उपलब्ध होगा जिससे किसानों को सिंचाई के लिए नहरी पानी की किल्लत का सामना नहीं करना पड़ेगा। अधिकारियों ने विधायक राजेश जून से कहा कि आपका निर्देश अनुसार जल्द ही सभी नहरों की अच्छी तरह से सफाई करवा दी जाएगी। इस अवसर पर विधायक

राजेश जून ने कहा कि अन्नदाता किसान कड़ी मेहनत से हम सबके लिए फसले पैदा करता है और नहरी पानी के अभाव में कई बार उन्हें फसलों में भारी नुकसान का सामना करना पड़ता है। विधायक राजेश जून ने कहा कि मैंने चुनाव के दौरान किसान भाइयों से भी वादा किया था कि सिंचाई के लिए पानी की किल्लत सहित आप लोगों की सभी समस्याओं को विधानसभा में बुलंद करके उसका समाधान करने का काम करूंगा और हरियाणा विधानसभा के पहले सत्र में ही मैंने बहादुरगढ़ हलके की अन्य समस्याओं के साथ-साथ किसान भाइयों की सिंचाई के लिए नहरी पानी की किल्लत का मामला विधानसभा में उठाया था जिस पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व कृषि मंत्री ने संज्ञान लेते हुए सिंचाई विभाग के अधिकारियों को बहादुरगढ़ हलके में किसानों को सिंचाई के लिए भरपूर मात्रा में नहरी पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। विधायक राजेश जून ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों के साथ नहरों में सिंचाई के लिए छोड़े गए पानी की व्यवस्था का जायजा लिया है। निरीक्षण के दौरान विधायक राजेश जून ने अधिकारियों को निर्देश दिए की नहरी पानी उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की कोताही सहन नहीं की जाएगी।

किसानों के दिल्ली कूच को लेकर डबवाली में पंजाब बॉर्डर पर पैरा मिलिट्री तैनात

एजेंसी

सिरसा। किसानों के दिल्ली कूच के आह्वान को देखते हुए पंजाब से स्टे सिरसा के डबवाली बॉर्डर पर पुलिस अलर्ट हो गई है। पैदल, ट्रैक्टर-ट्रालियों या अन्य वाहनों के साथ जुलूस निकालने, प्रदर्शन करने, मार्च करने, लाठी, डंडा या हथियार लेकर चलने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। डबवाली के साथ पंजाब की सीमा पर 7 स्थायी नाके व 14 अस्थाई नाके लगाए गए हैं। इन पर 24 घंटे लगातार पुलिस तैनात रहेगी। पुलिस अधिकारियों ने बॉर्डर का मुआयना किया। डबवाली में पंजाब से स्टटे बठिंडा व नाका मलोट पर एक-एक कंपनी पैरा मिलिट्री फोर्स की लगाई गई है। पुलिस की हर आने जाने वाले व्यक्ति पर नजर रहेगी। डबवाली पुलिस दिल्ली कुच को लेकर हा संभावित स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से अलर्ट मोड पर गई है। एसपी ने इस संबंध में डबवाली के सभी पुलिस अधिकारियों तथा थाना प्रभारियों को विशेष सावधानी व सतर्कता बरतने के निर्देश दिए है। एसपी ने बताया कि किसानों के दिल्ली कूच को लेकर पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है। समाज के सभी लोग किसी भी अफवाह व बहकावे में न आएं और सौहार्दपूर्ण वातावरण को पूरी तरह कायम रखने में तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि कुछ शरारती किस्म के लोग व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक जैसी सोशल मीडिया साइट पर आमजन को गुमराह करते हैं, ऐसे लोगों से सावधान रहें। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखें। आमजन के साथ बेहतर तालमेल बनाकर रखें। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी। एसपी द्वारा स्वयं नाके चैक किये गये व कर्मचारियों व अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

एडिलेड डे नाइट टेस्ट : ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 337 रन पर समाप्त, 157 रन की ली बढ़त

ट्रैविस हेड का शतक, लाबुशेन ने खेली अर्धशतकीय पारी

एजेंसी, एडिलेड

ऑस्ट्रेलिया ने यहां भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे दूसरे टेस्ट (डे-नाइट) मैच में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 337 रन बनाए। पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया की कुल बढ़त अब 157 रनों की हो चुकी है। हेड ने 141 गेंदों पर 17 चौके और 4 छक्के की बदौलत 140 रन बनाए। हेड के अलावा मार्नश लाबुशेन ने भी 64 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। भारत ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए थे। भारत को 180 रन पर समेटने के बाद बल्लेबाजी करने आई ऑस्ट्रेलियाई टीम की भी शुरुआत खराब रही और केवल 24 रनों के कुल स्कोर पर जसप्रीत बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। ख्वाजा ने 13 रन बनाए।

यहां से लाबुशेन और नाथन मेकस्विनी ने संभलकर खेलते हुए दूसरे विकेट के लिए 67 रनों की साझेदारी की। 91 के कुल स्कोर पर बुमराह ने मेकस्विनी को

आउट कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। स्टीव स्मिथ कुछ खास नहीं कर सके और 103 के कुल स्कोर पर 2 रन बनाकर बुमराह का शिकार बने। यहां से लाबुशेन और हेड ने चौथे विकेट के लिए 65 रन जोड़े। 168 के कुल स्कोर पर नीतीश रेड्डी ने लाबुशेन को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। लाबुशेन ने 64 रन बनाए। 208 के कुल स्कोर पर मिचेल मॉर्श 9 रन बनाकर अश्विन का शिकार बने। एलेक्स कैरी (15) को सिराज ने 282 के कुल स्कोर पर पवेलियन भेजा। सिराज ने 310 रनों के कुल योग पर हेड के रूप में भारत को बड़ी सफलता दिलाई। सिराज ने अपने बेहतरीन यॉर्कर पर हेड को बोल्ड किया। हेड ने 140 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 141 गेंदों का सामना किया और 17 चौके और 4 छक्के लगाए। 332 के कुल स्कोर पर बुमराह ने पैट कमिंस को बोल्ड कर भारत को आठवीं सफलता दिलाई। कमिंस ने 12 रन बनाए। सिराज ने इसके बाद मिचेल स्टॉर्क को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को नौवां झटका दिया। सिराज ने 337 के कुल स्कोर पर स्कॉट बोलैंड को बोल्ड कर ऑस्ट्रेलियाई पारी का अंत किया। नाथन लियोन 4 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की तरफ से मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने 4-4 और नीतीश रेड्डी और रविचंद्रन अश्विन ने 1-1 विकेट लिया। इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए। भारत के लिए नीतीश रेड्डी शीर्ष स्कोरर रहे, उन्होंने 42 रन बनाए। नीतीश के अलावा केएल राहुल ने 37, शुभमन गिल ने 31, रविचंद्रन अश्विन ने 22 और ऋषभ पंत ने 21 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टॉर्क ने 6 विकेट झटके। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। मिचेल स्टॉर्क ने मैच की पहली ही गेंद पर पिछले मैच के शतकवीर यशस्वी जायसवाल (00) को एलबीडब्ल्यू कर भारत की शुरुआत बिगाड़ दी।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीतना है कमिंस का लक्ष्य

एजेंसी, एडिलेड

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस का लक्ष्य भारत से जारी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीतना है। कमिंस का कहना है कि उन्होंने अब तकअपने करियर में अन्य सब खिताब जीते हैं पर उन्हें ये ट्रॉफी नहीं मिल पायी है। कमिंस ने अपनी कप्तानी में एकदिवसीय विश्वकप के साथ ही एशेज और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीती है पर वह एक बार भी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाए है। इसलिए इस बार उनका लक्ष्य इस कमी को पूरी करना है। कमिंस ने 2011 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था लेकिन उन्होंने भारत के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच 2017 में खेला था। ऑस्ट्रेलिया 2014-15 के बाद भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाया है। पर्थ में पहले टेस्ट मैच में 295 रन की करारी हार के बाद ऑस्ट्रेलिया पांच मैच की सीरीज में 0-1 से पीछे है पर कमिंस को पूरा भरोसा है कि उनकी टीम वापसी में सफल रहेगी।

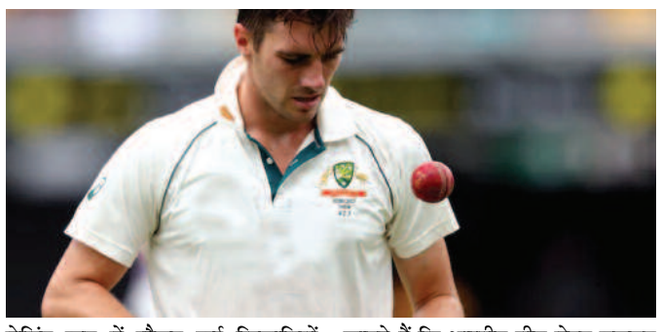

कमिंस के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के ड्रेसिंग रूम में मौजूद कई खिलाड़ियों ने अभी तक बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीती है। इसलिए ये सीरीज हमारे लिए अहम है। साथ ही कहा कि पिछले कुछ वर्षों में हमने चुनौतियों का डटकर सामना करके अच्छा प्रदर्शन किया है। हमें इस सीरीज में भी ऐसा करने की जरूरत है। कमिंस से पूछा गया कि क्या उन पर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीतने का दबाव है, उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि हम पर किसी तरह का दबाव है। साथ ही कहा कि आप अपने घरेलू मैदान पर सीरीज खेल रहे हैं और आप अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। हम जानते हैं कि भारतीय टीम बेहद मजबूत है और हमें उसके खिलाफ पिछली तीन सीरीज में हार का सामना करना पड़ा हैं। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से यह बेहद महत्वपूर्ण सीरीज है पर हम पूर्व के परिणामों पर अधिक ध्यान नहीं करना चाहते हैं। गर्मियों के सत्र में जब भी हमने भारत का सामना किया हमने हमेशा अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश की। कमिंस एशेज की तुलना बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से नहीं करना चाहते हालांकि उन्होंने भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबले को पिछले कुछ वर्षों में काफी रोमांचक रहे हैं।

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष राइडर बने पोगाकर, महिला वर्ग में कोपेकी बनीं विजेता

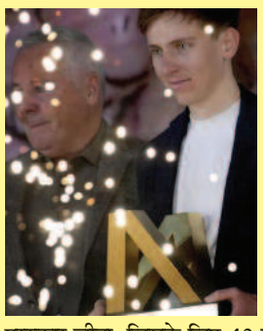

एजेंसी, पेरिस। साइक्लिंग सुपरस्टार तादेज पोगाकर को शुक्रवार को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष राइडर के रूप में वेलो डी'ओर से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें गिरो डी'इटालिया, टूर डी फ्रांस और विश्व चैंपियनशिप में जीत के लिए दिया गया। बेल्जियम की विश्व चैंपियन लोटे कोपेकी ने महिलाओं का वेलो डी'ओर पुरस्कार जीता, जिसके लिए 40 पत्रकारों की जूरी ने मतदान किया। स्लोवेनियाई टीम यूएई के राइडर पोगाकर ने 2024 में अपने प्रतिद्वंद्वियों से बेहतर प्रदर्शन किया, रेस में अपनी तीसरी जीत के लिए टूर डी फ्रांस को पुनः प्राप्त किया, और ओलंपिक खेलों को छोड़ने के बाद स्विट्जरलैंड में अपना पहला विश्व खिताब गिरो डी'इटालिया जीता। आयरलैंड के स्टीफन रोश 1987 में ट्रिपल क्राउन जीतने वाले आखिरी राइडर थे। कुल मिलाकर, पोगाकर ने 25 जीत हासिल कीं, जिसमें लीज-बास्तोगने और टूर ऑफ लोम्बार्डी शामिल है। 2021 के बाद अपना दूसरा वेलो डी'ओर प्राप्त करते हुए, 26 वर्षीय पोगाकर ने कहा, "मैं अभी भी युवा हूं, जैसे-जैसे साल बीतते हैं, हमें चीजों के महत्व का एहसास होता है।

ऑस्कर मारिटू के चीनी सुपर लीग क्लब युन्नान युकुन में शामिल होने की संभावना

एजेंसी, बीजिंग । ऑस्कर मारिटू का युन्नान युकुन में शामिल होना तय है, ऐसी खबरें हैं कि उन्होंने नव-प्रवर्तित चीनी सुपर लीग क्लब के साथ समझौता कर लिया है। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य का यह स्ट्राइकर बुधवार रात युक्सी, युन्नान प्रांत पहुंचा, जहां युकुन स्थित है, और वह को प्री-सीजन प्रशिक्षण के लिए टीम में शामिल होगा। इंटरनेट पर पोस्ट की गई एक तस्वीर में फारवर्ड मारिटू को युन्नान युकुन बैनर के नीचे प्रशंसकों के एक समूह के साथ देखा जा सकता है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि मारिटू और युन्नान क्लब ने एक साल के विकल्प के साथ तीन साल के अनुबंध पर सहमति व्यक्त की है। मारिटू ने अगस्त के मध्य में वेतन विवाद के कारण चीन की शीर्ष टीम कैंगझोउ माइटी लायंस को छोड़ दिया था।

महिला जूनियर एशिया कप : भारतीय हॉकी टीम अपना खिताब बचाने को तैयार

एजेंसी, मस्कट

भारतीय जूनियर महिला टीम मस्कट, ओमान में महिला जूनियर एशिया कप में प्रतिस्पर्धा करने के लिए पूरी तरह तैयार है, क्योंकि उनका लक्ष्य पिछले साल के अपने खिताब का बचाव करना है। 7 से 15 दिसंबर 2024 तक होने वाला यह टूर्नामेंट एफआईएच जूनियर विश्व कप 2025 के लिए क्वालीफाइंग इवेंट के रूप में भी काम करेगा, जो चिली में आयोजित किया जाएगा। भारत का नेतृत्व कोच तुषार खांडकर, कप्तान ज्योति सिंह और उपकप्तान साक्षी राणा करेंगे। टीम में दीपिका, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सुनेलिता टोप्पो और मुमताज खान जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं, जो पिछले साल की खिताबी जीत के

बाद से सीनियर टीम के लिए खेल चुके हैं और टूर्नामेंट के दौरान बाकी खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे। पिछले साल भारत ने फाइनल में दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराकर पहली बार खिताब जीता था। भारत को पूल ए में रखा गया है और उसका मुकाबला चीन, मलेशिया, थाईलैंड और बांग्लादेश से होगा। पूल बी में दक्षिण कोरिया, जापान, चीनी ताइपे, हांगकांग और श्रीलंका शामिल होंगे। प्रत्येक टीम अपने पूल में प्रत्येक प्रतिद्वंद्वी से एक बार भिड़ेगी और प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें न केवल सेमीफाइनल में जगह पक्की करेंगी, बल्कि अगले साल एफआईएच जूनियर विश्व कप में भी जगह बनाएंगी। प्रत्येक पूल की तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीम जूनियर विश्व कप के लिए अंतिम स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेगी। कप्तान ज्योति सिंह ने कहा, "हम मैदान पर उतरने और टूर्नामेंट की जोरदार शुरुआत करने के लिए उत्साहित हैं। खिताब बचाना चुनौतीपूर्ण होने वाला है लेकिन मुझे यकीन है कि टीम अपना सब कुछ देगी और हमारे देश को गौरवान्वित करेगी। यह टूर्नामेंट इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि जूनियर विश्व कप के लिए क्वालीफिकेशन दांव पर है इसलिए हम फिर से खिताब घर लाने के लिए दोगुना प्रतिबद्ध हैं।''

टीपीएल: यश मुंबई ईगल्स शीर्ष पर पहुंची; हैदराबाद स्ट्राइकर्स दूसरे स्थान पर, शीर्ष चार के लिए लड़ाई तेज

एजेंसी, मुंबई

मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में चल रहे टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) सीजन 6 में शुक्रवार को चेन्नई स्मैशर्स के खिलाफ क्लीन स्वीप करने के बाद यश मुंबई ईगल्स तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। क्वालीफिकेशन स्पॉट के लिए लड़ाई तेज होने के साथ, बंगाल विजाड्र्स और गुजरात पैंथर्स के बीच पहले गेम में मुकाबला हुआ। दिन की शुरुआत एकातेरिना काज़ियोनोवा और कामिला राखीमोवा के बीच रोमांचक मैच से हुई, जिसमें महिला एकल वर्ग में कामिला राखीमोवा ने 13-12 से जीत हासिल की। सुमित नागल ने पुरुष एकल वर्ग में निकी पूनाचा को 16-9 के स्कोर से हराया। मिश्रित युगल वर्ग में, कामिला राखीमोवा और श्रीराम बालाजी की बंगाल विजाड्र्स

जोड़ी ने एकातेरिना काज़ियोनोवा और सिद्धांत बंथिया के खिलाफ 15-10 से जीत हासिल की। पहले मैच में श्रीराम बालाजी और निकी पूनाचा ने सुमित नागल और सिद्धांत बंथिया के खिलाफ रोमांचक गेम में 13-12 के स्कोर से जीत हासिल की। हालांकि, गुजरात पैंथर्स ने 51-49 से जीत दर्ज करके मैच जीत लिया। चेन्नई स्मैशर्स और यश मुंबई ईगल्स के बीच दिन का दूसरा मैच खेला गया। जेनेप सोनमेज़ ने महिला एकल में अपनी प्रतिद्वंद्वी कोनी पेरिन को 16-9 से हराकर यश मुंबई ईगल्स को बढ़त दिलाई। करण सिंह ने ह्यूगो गैस्टन के खिलाफ़ अपना गेम भी 14-11 के स्कोर से जीता। मिश्रित युगल मुकाबला रोमांचक रहा जिसमें यश मुंबई ईगल्स ने जेनेप सोनमेज़ और जीवन नेदुनचेझियान की बदौलत गेम जीत लिया, जिन्होंने कोनी पेरिन और रित्विक चौधरी बोलिपल्ली को 13-12 के स्कोर से हराया। करण सिंह और जीवन नेदुनचेझियान ने पुरुष युगल वर्ग में ह्यूगो गैस्टन और रित्विक चौधरी बोलिपल्ली को 15-10 के स्कोर से हराकर यश मुंबई ईगल्स को 58-42 के स्कोर से क्लीन स्वीप किया। तीसरे मैच में पंजाब पैट्रियट्स का मुकाबला राजस्थान रेंजर्स से दूसरे हाफ में हुआ। महिला एकल वर्ग में पंजाब पैट्रियट्स की एलिना अवनेस्यान ने राजस्थान रेंजर्स की क्रिस्टीना दीनू को 15-10 के स्कोर से हराया। राजस्थान रेंजर्स के आर्थर फेरी ने पंजाब पैट्रियट्स के मुकुंद शशिकुमार पर दबदबा बनाते हुए पुरुष एकल वर्ग में 16-9 के स्कोर से जीत दर्ज की।

रियल मैड्रिड में एम्बाप्पे अब भी सुर्खियों में, अलाबा और विनिसियस चोट से वापसी के करीब

एजेंसी, मैड्रिड। रियल मैड्रिड के कोच कार्लो एंसेलोटी को शनिवार को गिरोना में होने वाले ला लीगा दौरे से पहले शुक्रवार को एक बार फिर किलियन एमबाप्पे के फॉर्म के बारे में सवालों का जवाब देना पड़ा। मैड्रिड स्पेन के उत्तर-पूर्व की यात्रा पर है, जहां उसे बुधवार रात एथलेटिक बिलबाओ के हाथों 2-1 से पराजय का सामना करना पड़ा था। ऐसा लग रहा था कि मैड्रिड पहुंचने के बाद से एमबाप्पे ने अपनी चिंताजनक फॉर्म को पीछे छोड़ दिया है, क्योंकि उन्होंने पिछले सप्ताहांत गेटाफे के खिलाफ गोल किया था, लेकिन बुधवार को संदेह फिर से उभर आया, जब एथलेटिक डिफेंस ने उन्हें नियंत्रित कर लिया और एक सप्ताह में उनकी दूसरी पेनल्टी भी घरेलू गोलकीपर जुलेन एगिरेज़ाबाला ने बचा ली। एंसेलोटी ने फ्रांसीसी खिलाड़ी के बारे में कहा, "हमें हर चीज पर गौर करना होगा और उसे समझाना होगा कि मैदान पर कैसे सुधार करना है। मुझे लगता है कि उसने अपने खेल की तीव्रता के मामले में बहुत सुधार किया है। वह अच्छे स्तर पर है और हमें उसका समर्थन करना होगा।" एंसेलोटी ने कहा कि उनका मानना है कि मैड्रिड में एमबाप्पे की समस्या का एक हिस्सा "निरंतरता" है, और "यह तब आएगा जब वह और उसके साथी उसकी वि शे षताओं के अनुकूल होंगे जो व्यक्तिगत और अलग हैं, लेकिन यह धीरे-धीरे आएगा।" एंसेलोटी को हमलावर खिलाड़ी वि निसियस जूनियर और मिडफील्ड र एडुआर्डो कैमाविंगा के चोटिल होने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, साथ ही लंबे समय से अनुप स्थित रहने वाले दानी कार्वाजल, एडर मिलिटाओ और डेविड अलाबा के कारण भी, हालांकि उनके पास अच्छी खबर है, उन्होंने बताया कि विनिसियस अगले सप्ताह अटलांटा के महत्वपूर्ण चैम्पियंस लीग दौरे के लिए फिट हो जाएंगे।

इंटर मियामी के साथ रिकॉर्ड सीज़न के बाद एमएलएस के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी चुने गए मेसी

एजेंसी, नई दिल्ली

इंटर मियामी के साथ एक बेहतरीन सीज़न के बाद लियोनेल मेसी को शुक्रवार को मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) का सबसे मूल्यवान खिलाड़ी चुना गया। मेसी को यह पुरस्कार उनके प्रदर्शन के बाद दिया गया, जिसकी बदौलत मियामी ने नियमित सत्र में 74 अंकों का रिकॉर्ड बनाया, जिससे क्लब को अपना पहला सपोर्टर्स शील्ड मिला। एमवीपी समारोह में मेसी ने कहा, "मैं यह पुरस्कार किसी और स्थिति में प्राप्त करना पसंद करता, जब मैं शनिवार को फाइनल खेल पाता। इस साल एमएलएस चैंपियन बनने का हमारा बड़ा सपना था। ऐसा नहीं हुआ, लेकिन अगले साल हम फिर से कोशिश करने के लिए और मजबूत होकर वापस आएंगे।" 37 वर्षीय अर्जेंटीना के इस खिलाड़ी ने लीग में सबसे ज़्यादा 36 गोल (20 गोल और 16 असिस्ट) करके नियमित सीज़न का समापन किया। यह पुरस्कार मेसी के लिए चोटों से भरे सीज़न में आया है, जिसमें उन्होंने इस साल सिर्फ़ 19 मैच खेले हैं। एमएलएस कमिश्नर डॉन गार्बर ने कहा,"लियो, बधाई। हमारी पूरी लीग, हमारे पूरे देश और यहाँ और पूरी दुनिया में खेल से प्यार करने वाले हर व्यक्ति की ओर से, हम आपको अपनी लीग में पाकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का मेजर लीग सॉकर में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनना हम सभी के लिए एक सपना है।" मेसी और उनकी इंटर मियामी एमएलएस कप प्लेऑफ में जीत की लय को जारी नहीं रख सके और अटलांटा यूनाइटेड के खिलाफ पहले दौर में ही बाहर हो गए। मेसी एमवीपी पुरस्कार जीतने वाले 10वें दक्षिण अमेरिकी खिलाड़ी हैं और लुसियानो अकोस्टा, डिएगो वैलेरी, गिलर्मो बैरोस शेलोटो और क्रिश्चियन गोमेज़ के बाद अर्जेंटीना के पांचवें खिलाड़ी हैं।

सैंडर स्कॉटहेम ने जीता अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले पुरस्कार

एजेंसी, नई दिल्ली

नॉर्वे के डेकाथलीट सैंडर स्कॉटहेम ने विश्व एथलेटिक्स पुरस्कार 2024 में अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले का पुरस्कार जीता। प्रशंसकों से प्राप्त नामांकन के बाद, अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले समिति (सीआईएफपी) और विश्व एथलेटिक्स के सदस्यों ने 2024 में एथलेटिक्स में पांच फेयर प्ले क्षणों की एक सूची पर निर्णय लेने के लिए एक निर्णायक मंडल का गठन किया, जिसके बाद स्कॉटहेम को विजेता घोषित किया गया। स्कॉटहेम के लिए निष्पक्ष खेल का क्षण पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में आया, जहाँ पोल वॉल्ट पदक की दौड़ से बाहर होने के बावजूद विश्व इनडोर और यूरोपीय रजत पदक विजेता स्कॉटहेम ने प्रतिस्पर्धा जारी रखने का फैसला किया। इस प्रक्रिया में स्कॉटहेम ने अपने हमवतन मार्कस रूथ का समर्थन किया, और अंतिम अनुशासन - 1500 मीटर में अपने साथी की मदद की। रूथ ने 8796 अंकों के राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्कोर के साथ नॉर्वे के लिए स्वर्ण पदक जीता, और 48 अंकों से ओलंपिक खिताब जीता। विश्व एथलेटिक्स के हवाले से स्कॉटहेम ने कहा, "मैं यह पुरस्कार पाकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। ओलंपिक मेरे लिए बहुत ही रोचक अनुभव था, क्योंकि मैंने बहुत अच्छी प्रतियोगिता की थी और फिर मैं पोल वॉल्ट में नो-हाइट हो गया और इसने मेरे पदक जीतने की संभावनाओं को बर्बाद कर दिया।

उसी समय, मार्कस ने बहुत अच्छी पोल वॉल्ट प्रतियोगिता की जिसने उन्हें जीतने के लिए एक उत्कृष्ट स्थिति में ला दिया।" स्कॉटहेम के इस वर्ष में 8635 का डेकाथलॉन पीबी हासिल किया था, जिसने उन्हें रोम में यूरोपीय रजत दिलाया और उनके 6407 के हेप्टाथलॉन राष्ट्रीय रिकॉर्ड ने विश्व इनडोर पदक दिलाया। विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने कहाः "मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि हमारा खेल एथलीटों के बीच निष्पक्ष खेल, ईमानदारी और सौहार्द के क्षणों के मामले में एक उदाहरण बना हुआ है। हम इसे सभी अलग-अलग एथलेटिक्स विषयों में देख रहे हैं - ट्रैक, फ़ील्ड और रोड पर। जिस तरह से सैंडर ने वापसी की, वह एक महान एथलीट की पहचान है। चरित्र की असली परीक्षा मुश्किल समय में होती है, यह तब नहीं होता जब सब कुछ ठीक चल रहा हो, इसलिए मैं सैंडर को उनकी खेल भावना और लचीलेपन के लिए बधाई देता हूँ - वे इस पुरस्कार के योग्य हैं।" सीआईएफपी के अध्यक्ष जेनो कामुती ने कहा, "खेल जगत के सबसे महत्वपूर्ण मंच, ओलंपिक खेलों में एक एथलीट से इस तरह के निःस्वार्थ कार्य को देखना अद्भुत है। विश्व एथलेटिक्स के साथ हमारा संबंध अब 20 वर्षों से अधिक पुराना है।

चिंतन मनन

ईश्वर का दोस्त

एक संत ने एक रात स्वप्न देखा कि उनके पास एक देवदूत आया है। देवदूत के हाथ में एक सूची थी। उसने कहा, यह उन लोगों की सूची है, जो प्रभु से प्रेम करते हैं। संत ने कहा, मैं भी प्रभु से प्रेम करता हूं। मेरा नाम तो इसमें अवश्य होगा। देवदूत बोला, नहीं, इसमें आप का नाम नहीं है। संत उदास हो गए। फिर उन्होंने पूछा, इसमें मेरा नाम क्यों नहीं है? मैं ईश्वर से ही प्रेम नहीं करता बल्कि गरीबों से भी प्रेम करता हूं। मैं अपना अधिकतर समय निर्धनों की सेवा में लगाता हूं। उसके बाद जो समय बचता है उसमें प्रभु का स्मरण करता हूं। तभी संत की आंख खुल गई। दिन में वह स्वप्न को याद कर उदास थे। एक शिष्य ने उदासी का कारण पूछा तो संत ने स्वप्न की बात बताई और कहा, लगता है सेवा करने में कहीं कोई कमी रह गई है। दूसरे दिन संत ने फिर वही स्वप्न देखा। वही देवदूत फिर उनके सामने खड़ा था। इस बार भी उसके हाथ में कागज था। संत ने बेरुखी से कहा, अब क्यों आए हो मेरे पास? मुझे प्रभु से कुछ नहीं चाहिए। देवदूत ने कहा, आपको प्रभु से कुछ नहीं चाहिए, लेकिन प्रभु का तो आप पर भरोसा है। इस बार मेरे हाथ में दूसरी सूची है। संत ने कहा, तुम उनके पास जाओ जिनके नाम इस सूची में हैं। मेरे पास क्यों आए हो? देवदूत बोला, इस सूची में आप का नाम सबसे ऊपर है। यह सुन कर संत को आश्चर्य हुआ। बोले, क्या यह भी ईश्वर से प्रेम करने वालों की सूची है। देवदूत ने कहा, नहीं, यह वह सूची है जिन्हें प्रभु प्रेम करते हैं। ईश्वर से प्रेम करने वाले तो बहुत हैं, लेकिन प्रभु उसको प्रेम करते हैं जो गरीबों से प्रेम करते हैं। प्रभु उसको प्रेम नहीं करते जो दिन रात कुछ पाने के लिए प्रभु का गुणगान करते रहते हैं।

अंततः एक दिन सबको बुढ़ापा आएगा

अंततः एक दिन सबको बुढ़ापा आएगा, बेसहारा बुजर्गो को बच्चों का सहारा ही खुश रखता है लेकिन बुजुर्ग आज एकाकी जीवन जी रहे हैं क्यूंकि बुढ़ापे की लाठी बेटों के पास आज उनकी देखभाल के लिए समय ही नहीं हैं कि अपने वृद्ध व लाचार हो चुके माँ बाप को समय दें लेकिन बेटों के पास समय का अभाव हो गया है व्यस्तता इतनी बढ़ गई है की चौबीस घंटे अनावश्यक ही व्यस्त रहते हैं आज स्थिति यह है कि वृद्ध लोग दाने-दाने को तरस रहे हैं ।विडम्बना देखिए कि आज मां-बाप का बंटबारा किया जा रहा है उन्हे महिनों में बांटा गया है कि इस माह किस बेटे के पास खाना खाना है तथा अगले महिने दूसरे बेटे के घर खाना है ।जिन मां बाप ने अपने बेटों में कभी भेदभाव तक नहीं किया आंच तक नहीं आने दी कांटा तक चुभने नहीं दिया आज वही बच्चे उनका बंटवारा कर रहे हैं ।ऐसी परिस्थितियों के कारण कई लोग असमय ही मौत को गले लगा रहे हैं ।बुजुर्गों के साथ बेटों द्वारा मारपीट की घटनाएं भी होती रहती हैं ।मारपीट के कारण कई मारे जा चुके हैं। ऐसी औलादें समाज पर कलंक है जो नतीजन वृद्वों को आश्रमों में भेजा जा रहा है ।अक्सर देखा गया है कि अधिकांश बुजुर्ग वृद्ध आश्रमों की शरण ले रहे हैं क्योकि जब बहु बेटों की ज्यादात्ती से यह लोग दुखी हो जाते हैं तो वृद्ध आश्रम ही आखिरी विकल्प सूझता हैं। ।बुजुर्गो ने पाई-पाई जोड़कर जिन बच्चों को मंहगी व उच्च तालिम देकर पैरों पर खडा.किया आज उन्ही के सामने दो जून की रोटी के लिए गिड़गडा रहे है ।मां-बाप का कर्ज आज तक कोई नहीं चुका पाया है। बुजुर्गों ने अपनी खुशियों का गला घोंटकर अपने बच्चों को हर खुशी प्रदान की मगर आज वही चिराग माता -पिता के दुश्मन बन गए हैं बुजुर्ग परिवार का स्तम्भ होते हैं ।बुजुर्ग वटवृक्ष के सामान होते हैं जिनकी शीतल छाया में बच्चे सुरक्षित रहते है मगर आज अपने ही वृक्ष को काटने पर उतारु हो गए हैं। देश में आज लाखों वृद्ध लोग नारकीय जीवन जीने पर मजबूर हैं तथा दुसरों पर मोहताज हैं। आज देश में बुजुर्ग लोग तिरस्कृत जीवन जीने को मजबूर हैं ।बुजुर्ग ढलती साझें है ।ढलती साझें आज नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं ।वृद्वों को आश्रमों में भेजा जा रहा है ।बुजुर्ग किसी दूसरे द्वारा नहीं बल्कि अपने ही बेटों के कारण उपेक्षित हैं शायद यह उनका दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि जिन बच्चों के लिए अपना पेट काटकर व भूखे रहकर उनका पालन पोषण किया आज वही बेटे उन्हे दर-दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर कर रहे हैं। बुजुर्गों का तिरस्कार,एक खौफनाक त्रासदी है ।आज देश में बुजुर्गों की जो हालत हो रही है उसके मामले समय-समय पर उजागर होते रहते है ।कहते है बुजुर्ग अनुभवों की खान होते हैं। केन्द्र सरकार द्वारा वृद्धों के भरण-पोषण के लिए कानून बनाए हैं मगर वे फाईलो की धूल चाट रहे हैं नजीजन लोग कानूनों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। आधुनिक युग की तथाकथित बहुएं व कलयुगी बेटे बुजुर्गों से बुरा व्यवहार कर रहे हैं ।लेकिन एक दिन उन्हे भी बुढापा आयेगा तब उन्हें भी अपनी करनी का फल अवश्य मिलेगा। आज बुजुर्गो को स्टोर रुम में रखा जाता है मगर एक दिन स्टोर रुम तुम्हारा भी इंतजार कर रहा है जब तुम्हे भी ऐसा ही नसीब होगा ।क्योकि जैसा बोओगे वैसा ही काटोगे। आज बहुत से वृद्ध एकाकी जीवन जी रहे हैं। बेटों के पास आज समय नहीं हैं कि अपनों का सहारा बने घर में अपने बुजुर्गों की दिन-रात सेवा करनी चाहिए क्योकिं बुजुर्गों की सेवा से बड़ा कोई तीर्थ नहीं हैं। आज स्थिति यह है कि वृद्ध लोग दाने-दाने को तरस रहे हैं। जो अपने ही जन्मदाताओं को नरक की जिन्दगी दे रहे है ।लेकिन कहते हैं इतिहास अपने आप को दोहराता है। समय बहुत बलवान होता है एक दिन सजा जरुर मिलेगी ।गरीब लोग तो माता -पिता व बुजुर्गो की अच्छी सेवा करते है मगर साधन संपन्न लोगो द्वारा आज बुजुर्गो को ओल्ड ऐज होम तथा सरकार द्वारा बनाए गए वृद्ध आश्रमों में धकेला जा रहा है। आज वृद्धो को पुराना सामान समझ कर निकाला जा रहा हैं। लेकिन दुनिया में सब कुछ मिल जाता है मगर मां-बाप नहीं मिलते। बेचारे बुजुर्ग जिन पोते पोतियों को कंधों पर बिठाकर स्कूल से लाते थे और छोडते थे आज वही उनकी पिटाई तक करते हैं तथा उनका मजाक उडाते हैं ।कुछ बुजुर्ग तो घर में ही कैद होकर रह गए हैं वे गुमनामी के अन्धरे में जीने को मजबूर हैं। वृद्ध आज दयनीय स्थिति में जीवनयापन कर रहे हैं ।सरकारों ने बुजुर्गों को पैशन की सुविधा दी है पर वह भी नाकाफी साबित हो रही है ।सरकार को सख्ती से कानून लागू करने चाहिए ताकि वृद्धों को उनका हक मिल सके ।सरकार व प्रशासन को ऐसे लोगों के विरुद्ध ठोस कारवाई करनी चाहिए तथा बुजुर्गों का अनादर करने वालो को दंडित किया जाए ।दुनिया में सब कुछ मिल जाता है मगर मां-बाप एक ही बार मिलते है ।जब तक बुजुर्गो को उनका सम्मान मिलना चाहिए।

लक्ष्य शोधन का प्रेरक है - श्रीमद्भगवद्गीता का प्रकटोत्सव

भारतीय संस्कृति में कथाओं के माध्यम से हम वैदिक विचार समझते हैं। वेद यदि बीज है तो महाभारत फल है जिसे पंचम वेद माना गया है। इस फलरूपी महाभारत में गीता एक अन्य बीज है। श्रीमद्भगवद्गीता मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी के दिन मानाई जाती है। इसमें कुल 18 अध्याय हैं जिनमें 6 कर्मयोग 6 ज्ञानयोग और अंतिम 6 अध्याय भक्तियोग पर आधारित हैं। इस उपलक्ष्य में मनाया जाने वाली गीता जयंती श्रीमद भगवद गीता के जन्म को समर्पित है। यह त्योहार मुख्य रूप से हरियाणा के कुरुक्षेत्र में मनाया जाता है। त्योहार का स्थान घटना की पवित्रता को जोड़ता है। कुरुक्षेत्र वह भूमि है जहां माना जाता है कि दिव्य गीत भगवद् गीता को भगवान कृष्ण ने अर्जुन को दिया था। यह स्थान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रसिद्ध ऋषि मनु ने यहीं मनुस्मृति लिखी थी। ऋग्वेद और सामवेद की रचना भी यहीं हुई थी। भगवान कृष्ण के अलावा, गौतम बुद्ध और प्रख्यात सिख गुरुओं जैसी विभूतियों का नाता रहा है। संत ज्ञानेश्वर बालगंगाधर तिलक परमहंस योगानंद महात्मा गांधी सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन महर्षि अरविन्द घोष एनी बेसेन्ट गुरुदत्त विनोबा भावे ओशो रजनीश श्रीराम शर्मा आचार्य जैसे अनगिनत विद्वानों ने गीता की अपनी दृष्टि से व्याख्या की है। महात्मा गांधी ने 1925 में ह्ययंग इण्डिया में लिखा था कि जब निराशा मेरे सामने आ खड़ी होती है तब मैं गीता की शरण लेता हूँ। महात्मा गांधी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी कहे जाने वाले भूदान आंदोलन के जनक आचार्य विनोबा भावे अठारहवें अध्याय में फलत्याग की पूर्णता- ईश्वर-प्रसाद पर चर्चा करते हुए कहते हैं कि आसक्ति से घोर अनर्थ होता है। जिस प्रकार क्षय के कीटाणु यदि भूल से भी फेफड़ों में चले जायें तो जीवन नष्ट हो जाता है। उसी प्रकार राष्ट्र-धर्म में अगर आसक्ति आ जाये और केवल अपने ही राष्ट्र के हित का विचार हम करने लगें, तो ऐसी राष्ट्र-भक्ति भी बड़ी भयंकर वस्तु होगी। विश्व बंधुत्व से प्रेरित आत्म-विकास रुक जाएगा। गीता कर्म का संदेश ही नहीं देती है बल्कि जीवन द्वंद्व में हमेशा पथ प्रदर्शन करती है। इस प्रकार श्रीमदभागवतगीता हमें आचरण सिखाती है। श्रीकृष्ण सहित पाण्डव कौरवों ने भी उज्जैन के सांदिपनी आश्रम में समान रूप से दीक्षा पाई थी किन्तु उसका प्रभाव प्रत्येक शिष्य पर भिन्न-भिन्न पड़ा। युधिष्ठिर ने जहां धर्म में प्रवृत्त हो उसका अंगीकार किया वहीं दुर्योधन धर्म से निवृत्त नहीं हो सके। जबकि उन्हें भी तैत्तिरीय उपनिषद सहित धर्म-अधर्म, पाप-पुण्य से परिचित कराया गया था। सत्यं वद् धर्म चर। स्वाध्यायान्मा प्रमदः अर्थात सत्य बोला, धर्मसम्मत कर्म करो तथा स्वाध्याय के प्रति प्रमाद मत करो। किसी भी स्थिति में अन्य के परिश्रम से अर्जित संपत्ति का अस्तेय(चोरी न करना) छीनकर, ठगकर, षड़यंत्रपूर्वक, हड़पकर या उसे अपने हित में साधने के विचार का निर्मूलन करें। नैतिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए स्वयं के द्वारा अर्जित संपत्ति में संतोष करना सिखाया गया। इसके लिए कर्तव्यक्षेत्र से परे विश्राम की भी स्थिति में सात्विक विचारों के चिन्तन को प्राथमिकता दी गई। दुर्योधन ने इससे अलग गुरू, पितामह, माता-पिता और पुत्र कुटुम्ब की उपेक्षा करते हुए षड़यंत्रपूर्वक पाण्डवों पर न केवल आधिपत्य का

प्रयास किया वरन उनकी पत्नी को निर्वस्त्र करने का प्रयास किया। ऐसे मे धर्म व नैतिकता के आचरण में आने वाली बाधा संबंधी अर्जुन (मानवीय) के प्रश्नों का श्रीकृष्ण समाधान करते हैं। यदि इसे एक रूपक के रूप में देखें तो,आज भी शक्तिसंपन्न प्रतिनिधि इसी प्रकार जनता का चीरहरण करते रहे हैं और उनसे उपकृत प्रबुद्ध वर्ग क्षुद्र स्वार्थवश मौन धारण करने पर विवश हैं। किसी लक्ष्य की प्राप्ति ही उस व्यक्ति(साधक) की पूर्णता नहीं है अपितु उसका भोग-उपभोग और उससे प्राप्त अनुभूति से मानव जीवन को नैतिक उत्थान की ओर प्रेरित करना ही उसकी पूर्णता है। इस परिप्रेक्ष्य में यदि हम संतोष की बात करें तो कार्पोरेट और बाजार आश्रित व्यवस्था चरमराने लगती है। स्मरण रहे, इसका अभिप्राय सृजन की श्रृंखला को अवरुद्ध करना नहीं है। व्यक्ति को पूरी क्षमताओं के साथ पुरुषार्थ में निवृत्त होना चाहिये लेकिन स्वक्षमता अनुसार उसे भोगना चाहिये। उसका आत्मावलोकन कर संतोष और आनंद की इच्छाशक्ति के नैतिक बल से नियंत्रित करने का भी प्रयास करना चाहिये। शक्तिसंपन्न होते हुए भी पाण्डवों के एक-एक गांव पर संतोष के प्रस्ताव पर सुई की नोक से उनकी उपेक्षा करने का परिणाम हमें सर्वनाश की ओर उद्यत करता है। इसलिए संपत्ति का विभाजन में माता-पिता की उपस्थिति नैतिक बल प्रदान करता है अन्यथा शक्तियां हाथ आते ही नैतिक बल का क्षय हो जाता है और अक्सर विवाद की स्थितियां बनती है। सभ्यता का अर्थ संपत्ति को बचाना है और वेदों में संपत्ति की ओर भागने को मूर्खता माना जाता है क्योंकि उससे अहंकार का दोष उत्पन्न होता है। वहीं दूसरी ओर इसमें मत्स्य न्याय(जहां बड़ी मछली छोटी मछली को निगल जाती है) नियंत्रित करने की प्रवृत्ति को धर्म माना गया है। वैदिक धर्म ऋण उतारने के दायित्वबोध प्रेरित है। यहां मानव जीवन को पितृ ऋण, पुत्र ऋण , ऋषि ऋण व देवऋण की सीमाओं में आबद्ध किया गया है ।वहीं श्रवण परंपरा मोक्ष की बात करता है, जहां स्वतंत्रता है। लेकिन यदि हिंसा नहीं होगी तो सृजन का चक्र अवरुद्ध होगा और लक्ष्य की प्राप्ति में संशय रहेगा। इस प्रक्रिया में ह्यश्वान प्रवृत्तिह्य अर्थात हमारे भीतर की पशुता अनायास ही जागृत हो हमारी वृत्तियों पर हावी हो जाती हैं। महार्षि वेदव्यास इसे संतुलित करने के लिए शायद किसी पैगम्बर की तरह विचार किया होगा कि वे जैसा सचेत करेंगे लोग उससे प्रेरित होंगे। लेकिन श्रीकृष्ण के आग्रह पर भी हम अपनी प्रवृत्ति पर अंकुश रखने में असमर्थ रहते हैं। इसे सामान्तवादी व्यवस्था से समझा जा सकता है। सामान्यतः सामंती समाज वगीर्कृत होते हैं और निष्ठा तथा आश्रय को महत्व देते हैं। इसकी तुलना में व्यापारी समाज समतावदी हैं। वे ग्राहक के दर्जे के बदले उनके धन को अधिक मूल्य देते हैं। हम अभी भी गुणवत्ता के बजाय निष्ठा को महत्व देते हैं। पेशेवरों पर संशय करते हैं क्योंकि वे अपने कौशल की कीमत लगाते हैं और गणिकाओं के समान किसी के नियंत्रण में नहीं आते। हम चाहते हैं कि पारंपरिक सेवा प्रदाता अर्थात शूद्र किसी अपेक्षा के बिना सेवा करें, संरक्षण स्वीकार करें और कभी भुगतान न मांगे। परिणमतः वे लगभग दूसरे वर्णो के दास बन गये हैं। आधुनिक कार्पोरेट मेनेजमेंट में इसी प्रकार चतुराश्रम की व्यवस्था है जिसका अर्थ है कुशल लोंगों की उपलब्धि। विदुर नीति को नजरअंदाज कर हम न केवल किसी कंपनी का सीईओ बनने के मोह से मुक्त नहीं हो पाते। यह जानते हुए भी कि जीवन जैसा हर पद भी अस्थाई और एक मोहक भ्रम है। लेकिन एक शक्तिशाली कार्पोरेट भूमिका को छोड़ देना कठिन है जैसे न्यायाधीश या सरकारी कर्मी प्रासंगिक बनने के लिए सेवा निवृत्ति के करीब आते ही अधिक भ्रष्ट हो जाते हैं। हम ऐसी व्यवस्था में जी रहे हैं जहां राजा विदूषक को नहीं अपितु दरबारी कवियों को प्यार करते हैं। अर्थात अपने प्रशंसकों की बातें सुनना प्रसंद करते है। विदूषकों को नवरत्न नहीं बनाया जाता, क्योंकि वे उनके दोषों को आइना दिखाते हैं अतएव आलोचकों का गला काट दिया जाता है। सत्ताधीश ये नहीं समझते कि समाज में आलोचना की एक बड़ी भूमिका होती है। भूलवश वे अलोचना को निंदा समझ बैठते हैं। पुराणों में ब्रम्हहत्या को महापाप माना गया है लेकिन कर्तव्यों से विमुख होकर पथभ्रष्ट होने के कारण रामायण में रावण और महाभारत में आचार्य द्रोण को अपना सर देकर इसका प्रायश्चित्त (ईश्वर या आत्मा द्वारा दंडित होने से)करना पड़ता है।

आधुनिक विकास नीति से गंगा के अस्तित्व पर खतरा

भारत की सबसे महत्त्वपूर्ण नदी गंगा जो भारत और बांग्लादेश में मिलाकर 2510 किमी की दूरी तय करती हुई उत्तराखंड में हिमालय से लेकर बंगाल की खाड़ी के सुंदरवन तक विशाल भू भाग को सींचती है, देश की प्राकृतिक संपदा ही नहीं, जन जन की भावनात्मक आस्था का आधार भी है। 2071 कि.मी तक भारत तथा उसके बाद बांग्लादेश में अपनी लंबी यात्रा करते हुए यह सहायक नदियों के साथ दस लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल के अति विशाल उपजाऊ मैदान की रचना करती है। सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण गंगा का यह मैदान अपनी घनी जनसंख्या के कारण भी जाना जाता है। 100 फीट (31 मीटर) की अधिकतम गहराई वाली यह नदी भारत में पवित्र मानी जाती है तथा इसकी उपासना माँ और देवी के रूप में की जाती है। भारतीय पुराण और साहित्य में अपने सौंदर्य और महत्व के कारण बार-बार आदर के साथ वंदित गंगा नदी के प्रति विदेशी साहित्य में भी प्रशंसा और भावुकतापूर्ण वर्णन किए गए हैं। वैज्ञानिक मानते हैं कि इस नदी के जल में बैक्टीरियोफेज नामक विषाणु होते हैं, जो जीवाणुओं व अन्य हानिकारक सूक्ष्मजीवों को जीवित नहीं रहने देते हैं। गंगा की इस असीमित शुद्धीकरण क्षमता और सामाजिक श्रद्धा के बावजूद इसका प्रदूषण रोका नहीं जा सका है ।आलम यह है कि इसे रोकने में सरकारी तंत्र का रवैया भी सुस्त है। तभी तो नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के चेयरपर्सन न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव ने मौखिक रुप से टिप्पणी करते हुए महाकुंभ मेले में करोड़ों लोग आते हैं, अगर सीवेज के मल-जल को गंगा में गिरने से नहीं रोका गया तो लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित होगा। गंगा बेसिन का लगभग 79 फीसदी क्षेत्र भारत में है। बेसिन में 11 राज्य शामिल हैं, जैसे उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और दिल्ली। गंगा बेसिन से जुड़े सवालों को लेकर गंगा मुक्ति आंदोलन की ओर से बिहार के मुजफ्फरपुर के चंद्रशेखर भवन ,मिठनपुरा, में गंगा बेसिन : समस्याएं एवं समाधान विषयक राष्ट्रीय विमर्श में जुटे देश के आठ राज्यों और नेपाल के प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर गंगा के सवाल पर देशव्यापी अभियान चलाने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय विमर्श के केन्द्र में नदियों का गाद से पेट भरना , प्रदूषण (औद्योगिक और नगरीय कचरा) पानी की कमी , बालू उठाव और खनन , नदी की जैव विविधता, ग्लेशियर का पिघलना , जलवायु संकट , कार्बन उत्सर्जन , पारिस्थितिकी असंतुलन , औद्योगिक क्रांति से पनपे विकास की विनाशकारी अवधारणा और जल जंगल जमीन पर जीने वाले समुदाय का अधिकार रहे। कार्यक्रम में ऑन लाइन जुड़कर आईआईटी कानपुर के प्रो डॉ राजीव सिन्हा , बीसीसी के चर्चित पत्रकार रहे राम दत्त त्रिपाठी, पूर्व सांसद एवं चौथी दुनिया के संपादक संतोष भारतीय , बिहार सरकार में अपर मुख्य सचिव रहे व्यास जी एवं विजय प्रकाश , उत्तराखंड के नदी कर्मी सुरेश भाई सहित तमाम लोगों की चिंता इस बात को लेकर रही कि आखिर विनाश का

खेल कब तक जारी रहेगा। उत्तराखंड के सुरेश भाई का कहना था कि मध्य हिमालय में स्थित गौमुख ग्लेशियर में हो रहे बदलाव को समझना बहुत जरूरी है। समय रहते यदि इसके चारों ओर के पर्यावरण संरक्षण और संयमित विकास पर ध्यान नहीं दिया तो आने वाले दिनों में बहुत बड़ी समस्या पैदा हो सकती है ।उत्तराखंड में गंगा के उद्गम आपदा और जलवायु परिवर्तन के चलते बुरी तरह प्रभावित हैं। इस भयानक स्थिति के बाद भी गंगा की एक महत्वपूर्ण धारा भागीरथी के उद्गम से ही गंगा की निर्मलता को लेकर एनजीटी ने बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। दूसरी बात है कि भागीरथी के उद्गम में लाखों देवदार के पेड़ों पर संकट की तलवार लटक रही है। यहां चौड़ी सड़क बनाने के विकल्प के बावजूद भी घने देवदार के जंगल को काटने की तैयारी चल रही है ।इस विषय पर हम चाहेंगे कि इसको राष्ट्रीय विमर्श का मुद्दा बनाया जाए और एक बार फिर देशवासी उद्गम से लेकर देश में जहां-जहां से गंगा बह रही है उन तमाम राज्यों से हो रहे प्रदूषण, अतिक्रमण, शोषण के खिलाफ एक बार फिर से नदी बचाओ अभियान की तर्ज पर एकत्रित होकर आवाज बुलंद करें। ह्लतीन दिवसीय राष्ट्रीय विमर्श में मुख्य रूप से पूर्व सांसद अली अनवर का कहना था कि गंगा का सवाल धार्मिक मामला नहीं है, जिसका राजनीतिक दोहन किया जा रहा है, बल्कि यह सांस्कृतिक मामला है। धार्मिक भावनाओं का शोषण करने के लिए राजनीतिक दल के लोग तरह-तरह की बातें करते हैं। नमामि गंगे योजना के नाम पर पिछले 10 साल से लूट मची है ।यह योजना एक तरह से फेल है। पैसे भ्रष्टाचारियों व ठेकेदारों की जेब में जा रहे हैं। यकीनन यह सब गंगा को मारने की योजना है। विकास का विद्रूप चेहरा जो सभ्यता और संस्कृति की पावन धारा में सड़ांध पैदा करने से बाज नहीं आता। इस विकास का लक्ष्य गंगा की पवित्रता और अविरलता सुनिश्चित करना नहीं है, बल्कि इसकी निगाहें गंगा सफाई के लिए आवंटित बजट की बंदरबांट पर ही ज्यादा टिकी है। गंगा एक संस्कृति का नाम हैं इसलिए गंगा की लड़ाई संस्कृति बचाने की लड़ाई हैं। गंगा मुक्ति आंदोलन के संस्थापक अनिल प्रकाश ने बताया कि गंगा का हत्यारा आधुनिक विकास की नीति हैं। दिल्ली से आए पत्रकार प्रसून लतांत ने कहा कि योजनाएं जब तक जनता की अपेक्षा के प्रतिकूल होगी तो यही होगा। गंगा या नदी घाटी की सभ्यता को बचाने के प्रयास तभी सार्थक होंगे, जब गंगा पर आश्रित समुदाय से विमर्श कर योजनाएं बने। मधुपुर झारखंड से आए हुए पर्यावरणविद सामाजिक कार्यकर्ता घनश्याम जी की चिंता बांधों को लेकर थी, उनके अनुसार अमेरिका के केनंसी वैली के तर्ज पर कोलकाता बंदरगाह को साफ करने के लिए दामोदर को बांधा गया, तत्पश्चात फरक्का बराज बनाया गया। फरक्का बराज का विरोध उस वक्त इंजीनियर रहे कपिल भट्टाचार्य ने किया। गंगा मुक्ति आंदोलन के प्रणेता अनिल प्रकाश ने गंगा समेत अन्य नदियों के दोहन से बचाने के लिए बड़े आंदोलन का आह्वान किया साथ ही कहा कि जब दूसरे देश में बाध तोड़े जा रहे हैं, वहीं आज भारत में विश्व बैंक से कर्ज लेकर बांध पर बांध बनने को हरी झंडी दी जा रही है ।इसके मूल में राजनेता, नौकरशाही और ठेकेदारों का गठजोड़ है। सारा खेल कमीशन का है। इसके कारण पूरी व्यवस्था भ्रष्टाचार में लिप्त है। क्या कारण है कि बांधों के सवाल पर सरकारी कमेटी में शामिल विशेषज्ञों की राय को नजर अंदाज किया जा रहा है। कार्यक्रम में राजस्थान महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, झारखण्ड, भागलपुर, कहलगांव एवं नेपाल के दर्जनों प्रतिनिधि शामिल हुए, जो पर्यावरण, नदी, जल-जंगल-जमीन को लेकर काम कर रहे हैं. इस मौके पर वीरेंद्र क्रांति वीर, हेमलता महस्के, अखिलेश कुमार, कृष्ण कुमार माढ़ी, आदित्य सुमन, गणेश, राजा राम सहनी, चंदेश्वर राम, बागमती संघर्ष मोर्चा से नवल किशोर सिंह, ठाकुर देवेंद्र, डॉ संतोष सारंग, जगरनाथ पासवान, राम एकबाल राय, अरविंद, कृष्णा प्रसाद, डॉ नवीन झा, श्याम नारायण यादव, राजीव, शाहिद कमाल ने शिरकत की। साथ ही फैसला लिया गया कि 22 फरवरी 2025 को गंगा मुक्ति आंदोलन के वर्षगांठ पर कागजी टोला कहलगांव , भागलपुर में पुनः देश भर से परिवर्तनवादी जुटेंगे और आगे की योजना बनाएंगे ।गंगा मुक्ति आंदोलन ने कई मुद्दों के साथ बिहार की नदियों में फ्री फिशिंग एक्ट बनाने के आंदोलन को तेज करने का निर्णय लिया है। ज्ञात हो 1990 में बिहार सरकार ने पारंपरिक मछुआरों को नदी में निःशुल्क मछली पकड़ने का अधिकार दिया था , जिसे छल और फरेब से अब शिथिल किया जा रहा है। बिहार में अभी स्पेशल जमीन सर्वे भी चल रहा है। नदियों की जमीन का सीमांकन (चौहद्दी) और रकबा निर्धारित करने को लेकर अभियान चलाने की बात कही गयी। इसके साथ ही गंगा की अविरलता और निर्मलता बहाली के लिए ,गाद के स्वाभाविक निदान के लिए फरक्का बराज को खोलने सहित सभी बांध बराज तटबंध को खत्म कर नदियों की प्राकृतिक अवस्था बहाल करने और किसी भी प्रकार का प्रकृति के साथ छेड़छाड़ न करने के विरुद्ध अभियान जारी रहेगा।

आओ तारीफ और प्रशंसा कर हौसला बढ़ाएं-निष्ठाहीन प्रशंसा चापलूसी को छोड़े

कुदरत द्वारा रचित इस खूबसूरत सृष्टि में बेहद शक्तिशाली, बुद्धिमान मानवीय प्राणी की रचना कर उसमें ऐसे अद्भुत गुणों की खान को मन, हृदय, मस्तिष्क रूपी शरीर के हिस्सों में इस तरह समायोजित किया है कि अपनें एक एक गुण शक्ति को पहचान कर उसे निखारा जाए तो श्रेष्ठ मानव की मिसाल कायम करने में देर नहीं लगेगी परंतु हम मानवीय जीव एसी उलझन में फंस कर रह गए हैं कि आज एक मानव ही दूसरे मानव का दुश्मन हो कर उसके हर काम की ऐसी आलोचना करता है कि सकारात्मक भाव, कार्य, गुण,मेहनत कोनकारात्मक निरउपयोगी और बेकार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ता और अहंकार रूपी मैं मैं का बोध धारण कर उस विकार को अपनी शक्ति समझकर पालते है जबकि हम अपने दोस्तों की तो क्या, दुश्मनों के अच्छे कार्य की अगर थोड़ी सी तारीख प्रशंसा कर दें तो उसके लिए यह औषधि का काम करेगी क्योंकि तारीफ, प्रशंसा एक फूल की सुगंध रूपी व सार्थक शक्ति है जो मनुष्य की सोई हुई उर्जा को जगा कर मंजिल तक पहुंचाने का काम करती है! जब कोई हमारी तारीफ करता है तो हमारे व्यक्तित्व में मिठास घुलने लगती है। प्रशंसा की यह मिठास न केवल कानों में प्रवेश करती है बल्कि मन के द्वारा हृदय में घुल जाती है और हमारे मंजिल तक पहुंचने का कारण बनती है आज के आर्टकल में हम इसी औषधि तारीफ और प्रशंसा रूपी सुगंध का विश्लेषण करेंगे। साथियों बात अगर हम तारीफ और प्रशंसा दोनों शब्दों की करें तो दोनों में बहुत सामान्य अंतर हैं, इनमें मुख्य अंतर यह है कि एक तारीफ कृतज्ञता, बधाई, प्रोत्साहन या सम्मान की अभिव्यक्ति है, जबकि प्रशंसा एक उचित मूल्यांकन या योग्यता, मूल्य या उत्कृष्टता की मान्यता का अनुमान हैं। इसका उपयोग उस व्यक्ति को धन्यवाद देने के लिए किया जाता है जिसने आपके लिए कुछ अच्छा किया है या कुछ ऐसा किया है जो आपको लगता है कि उसे प्रशंसा या विचार दिया जाना चाहिए। तारीफ का एक अच्छा उदाहरण है - आप वाकई साहसी हैं। प्रशंसा किसी ऐसी चीज की मान्यता या चिंता है जो आकर्षक है। किसी वस्तु को अत्यधिक ध्यान में रखना, जैसे मूर्ति का काम, उसकी सराहना करने का एक उदाहरण है। प्रशंसा को कृतज्ञता की भावनाओं के रूप में परिभाषित किया गया है। प्रशंसा का एक उदाहरण है - मैं आपके भारी काम और समर्पण के लिए सार्वजनिक रूप से आपको धन्यवाद देना चाहता हूं। साथियों बात अगर हम तारीफ और प्रशंसा के सामर्थ्य व्यक्तित्व के गुणों की करें तो, एक श्लोक आया हैं, अष्टौ गुणाः पुरुषं दीपयन्ति, प्रज्ञा च कौल्यं च दमः श्रुतं च !पराक्रमश्चबहुभाषिता च दानं यथाशक्ति कृतज्ञता च॥ अर्थ-सर्वेश्रेष्ठ आठ गुणों से मनुष्य की बहुत प्रशंसा होती है-(1) बुद्धि (2) कुलीनता, (3) मन का

संयम,(4) ज्ञान, (5) बहादुरी, (6) कम बोलना, (7) दान देना और (8) दूसरे के उपकार को याद रखना। इनका सामूहिक अर्थ, व्यक्ति अपनी बुद्धि का सही तरीके से उपयोग करना जानता है, वह अपनी लाइफ में बहुत सक्सेस पाता है। जो व्यक्ति बिना सोच-समझे कोई काम करता है, उसे अक्सर असफलता का मुंह देखना पड़ता है। जिस व्यक्ति का व्यवहार सरल और सहज होता है, वह भी अपने इस नेचर के कारण प्रसिद्धि पा सकता है। जबकि इसके उलट व्यवहार करने वाला व्यक्ति कभी किसी का प्रिय नहीं होता। जो व्यक्ति अपने मन यानी इंद्रियों को नियंत्रण में रखता है, वह साधु के समान होता है। ऐसा व्यक्ति महान गुरु बनकर भटके हुए मनुष्यों को रास्ता दिखाता है। यही काम करते हुए वह प्रशंसा और प्रसिद्धि पा सकता है। साथियों ज्ञान यानी नॉलेज। जिस व्यक्ति के पास ज्ञान होता है, वह हर समस्या का सामना कर लेता है। साथ ही वह लोगों को सही सलाह देकर उनकी परेशानियां भी कम करता है। ऐसे लोग अपने नॉलेज के दम पर अलग जगह बनाते हैं और प्रशंसा पाते हैं। जो व्यक्ति पराक्रमी यानी बहादुर होता है वह अपने दम पर प्रसिद्धि पाता है ।विषमपरिस्थिति में भी ऐसे लोग घबराते नहीं है और दूसरों की भी मदद करते हैं। इनका यही काम इन्हें लोकप्रिय बनाता हैं ।जो व्यक्ति हमेशा सोच-समझकर बोलता है, कब क्या बोलना है यह जानता है, वह अपनी लाइफ में काफी प्रसिद्ध होता है। जो ज्यादा बोलते हैं, कब क्या बोलना है यह नहीं जानते, उनका कोई सम्मान नहीं करता। धर्मों में दान करना अनिवार्य माना गया है। जो व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार दान करता है वह अपनी लाइफ में सक्सेस भी होता है और फेम भी पाता है। जीवन में कभी न कभी सभी को मदद की जरूर पड़ती है। जो लोग मदद करने वाले को भूल जाते हैं, उन्हें अपने जीवन में हमेशा परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसके विपरीत जो लोग मदद करने वाले को हमेशा याद रखते हैं और उनके सुख-दुख में साथ देते हैं, वे भी प्रसिद्धि पाते हैं। प्रशंसा प्रेरणा बन जाती है। परंतु मूर्ख प्रशंसा सुनकर अहंकार पाल लेते हैं। उनका ह्यमैंह्ल और प्रबल हो जाता है। ह्यमैंह्ल लगभग दूसरी मौत का नाम है। हमें इससे बचना चाहिए, क्योंकि कुछ लोग हमारी प्रशंसा अहंकार बढ़ाकर हमें बर्बाद करने के लिए कर सकते हैं। यही प्रशंसा का जहर है। साथियों चापलूसी और तारीफ दोनों का इस्तेमाल किसी की तारीफ करने के लिए किया जाता है। हालाँकि, चापलूसी और तारीफ में बड़ा अंतर है। चापलूसी और तारीफ के बीच मुख्य अंतर ईमानदारी में है। चापलूसी अत्यधिक या निष्ठाहीन प्रशंसा है जबकि तारीफ किसी चीज या किसी की वास्तविक प्रशंसा है। जैसा कि कहानीयों में देखा गया है, एक व्यक्ति आमतौर पर अपने हितों को आगे बढ़ाने के लिए दूसरे की चापलूसी करता है। उसका मकसद उस व्यक्ति से कुछ उधार लेना, किसी चीज के लिए मदद लेना, अपने बारे में सकारात्मक धारणा बनाना या यहां तक कि नुकसान पहुंचाना भी हो सकता है। हालाँकि बहुत से लोग उनकी चापलूसी करते हैं, चापलूसी कभी भी किसी को प्रभावित करने का एक अच्छा तरीका नहीं है। यह व्यक्ति की जिद और बेईमानी को दशार्ता है ।साथियों कुछ लोग ऐसी श्रेणी में आते हैं जो न गंभीर होते हैं और न मूर्ख। इन्हें सहज कह सकते हैं। सबसे अच्छा तरीका यही है। सहजता से सुनिए और भूल जाइए। तब प्रशंसा ऐसा लाभ देगी, जो दिखेगा नहीं लेकिन भविष्य में काम कर जाएगा। आप सहज हैं तो सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि प्रशंसा के समय आपकी सोच, जो हो सो हो, लेकिन आलोचना के समय आप परेशान नहीं होंगे। आलोचना के समय धीर-गंभीर व्यक्ति को भी ताकत लगानी पड़ती है और मूर्ख तो आवेश में आ ही जाते हैं। सहज व्यक्ति दोनों ही स्थिति में अपनी खुशी से सौदा नहीं करेगा। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ तारीफ और प्रशंसा कर हौसला बढ़ाएं- निष्ठाहीन प्रशंसा चापलूसी को छोड़ें ।तारीफ प्रशंसा रूपी फूल की सुगंध रूपी सार्थक शक्ति मनुष्य की सोई हुई ऊर्जा को जगा कर मंजिल तक पहुंचाया जा सकता है। तारीफ प्रशंसा औषधि का काम करते हैं जो हमारे व्यक्तित्व में मिठास कानों से होते हुए मन के द्वारा हृदय में घुल जाती है।

मनोविज्ञान की फील्ड में बना सकते हैं करियर

मनोविज्ञान का क्षेत्र है, जिसमें प्रत्येक आयुवर्ग के लोग विशेषज्ञता हासिल कर अपना करियर बना सकते हैं। इसमें मानव मन और व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। मसलन, मस्तिष्क तनाव में कैसे काम करता है, यह कैसे भाषा सीखता है, तथ्यों को कैसे याद रखता है या किसी भी तरह की मानसिक बीमारी इसके काम करने के तरीके को कैसे प्रभावित कर सकती है। इस सेक्टर में विशेषज्ञता और रुचियों के आधार पर मनोविज्ञान डिग्री धारकों के लिए कई अलग-अलग विकल्प उपलब्ध हैं, जो कि इस प्रकार हैं-

◗ मनोविज्ञानी ◗ मनोचिकित्सक ◗ समाज सेवक ◗ काउंसलर ◗ शैक्षिक मनोवैज्ञानिक ◗ मानव संसाधन प्रबंधक ◗ अध्यापक ◗ अनुसंधान भूमिकाएं ◗ मीडिया भूमिकाएं ◗ मनोविज्ञान में करियर

मनोविज्ञान का कोर्स करने के बाद छात्र पब्लिक और प्राइवेट हेल्थ केयर, एजुकेशन, मेंटल हेल्थ स्पोर्ट्स, सोशल वर्क, थेरेपी एंड काउंसलिंग जैसे कई सेक्टर में करियर बना सकते हैं। यहां पर वे सलाहकार, अनुसंधान-आधारित, उपचार-आधारित या चिकित्सीय की भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा मीडिया और अन्य रचनात्मक फील्ड में नौकरियों सहित मनोविज्ञान स्नातकों के लिए कई ऑप्शन भी हैं।

चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक

एक चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक के तौर पर आप व्यावसायिक मनोविज्ञान, शैक्षिक मनोविज्ञान, खेल और मानसिक स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। यहां आप सभी पृष्ठभूमि के लोगों, रोगियों और क्लाइंट के साथ काम कर सकते हैं। इसके अंतर्गत आप कुछ मनोवैज्ञानिक मुद्दों पर बेहतर ढंग से समझने और सलाह देने के लिए आप व्यवहार, विचारों और भावनाओं का विश्लेषण कर सकते हैं। हालांकि यदि आप मनोचिकित्सक बनना चाहते हैं तो इसके लिए आपको मेडिकल डिग्री हासिल करने की आवश्यकता होगी।

मनोचिकित्सक

एक मनोचिकित्सक के तौर आपको व्यक्तियों, जोड़ों, समूहों या परिवारों के साथ काम करता होगा। जिससे आप अपने क्लाइंट्स को भावनात्मक और रिश्ते से संबंधित मुद्दों, तनाव और यहां तक कि व्यसन सहित मनोवैज्ञानिक परेशानियों को दूर करने में मदद कर सके। इनमें संज्ञानात्मक व्यवहार विधियां, मनोविश्लेषणात्मक और मनोगतिक चिकित्सा, साथ ही कला चिकित्सा, नाटक चिकित्सा, ह्यूमनिस्टिक और एकीकृत मनोचिकित्सा, सम्मोहन-मनोचिकित्सा और अनुभवात्मक चिकित्सा शामिल हैं।

समाज सेवक

एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर आपको ऐसे लोगों की स्थितियों में सुधार लाने के लिए काम करना होगा, जो अपने जीवन में कठिन दौर से गुजर रहे हैं। ये कोई भी हो सकते हैं जैसे बच्चों या बुजुर्गों का या ऐसा ही अन्य कोई ग्रुप, विकलांग लोगों और अपराध और दुर्व्यवहार के शिकार लोगों सहित अन्य कई। सामाजिक कार्यकर्ता स्कूलों, घरों, अस्पतालों या अन्य सार्वजनिक एजेंसियों के भीतर काम कर सकते हैं।

काउंसलर

एक काउंसलर लोगों को उनके जीवन, भावनाओं और अनुभवों के साथ बेहतर तरीके से सामंजस्य बिठाने में मदद करता है। यहां पर क्लाइंट की बातों को ध्यान से सुनना एक काउंसलर के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। एक काउंसलर में सुनने, सहानुभूति देने, सम्मान और धैर्य प्रदान करने की क्षमता साथ विश्लेषण करने की क्षमता होनी जरूरी है, ताकि क्लाइंट को उनकी स्थिति से बेहतर तरीके से निपटने में सक्षम बनाया जा सके। एक काउंसलर अक्सर विवाह और परिवार, स्वास्थ्य, दुर्व्यवहार, पुनर्वास, शिक्षा, दुख, मानसिक स्वास्थ्य, करियर मार्गदर्शन और बाल रोग सहित अनेक क्षेत्र शामिल हैं।

शिक्षा में मनोविज्ञान करियर

मनोविज्ञान कोर्स के बाद आप शिक्षा के क्षेत्र में भी जा सकते हैं। यहां आप शिक्षा के साथ-साथ शैक्षिक चिकित्सा, शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा के भीतर सामाजिक कार्य, मनोविज्ञान स्नातक प्राथमिक, माध्यमिक या कॉलेज, यूनिवर्सिटी स्तर की शिक्षा में काम कर रहे शिक्षकों के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा जेल के अंदर के युवा अपराधियों को ठीक करने के लिए काम कर सकते हैं। वहीं महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में करियर में प्रवेश करने के लिए आपको मास्टर / पीएचडी योग्यता की आवश्यकता होगी। उच्च शिक्षा के अंतर्गत आप शिक्षण या रिसर्च दोनों ही क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

रिसर्च में करियर

मनोविज्ञान के तौर पर आप रिसर्च एजेंसियों, पब्लिक और प्राइवेट ऑर्गनाइजेशन या विश्वविद्यालयों में रिसर्च कर सकते हैं। सभी क्षेत्रों के भीतर रिसर्च करियर और भी व्यापक हैं, इसमें सरकारी नीति विकास या उद्योग के लिए काम कर सकते हैं। आप एक चैरिटी या अन्य गैर-लाभकारी संगठन के लिए भी काम कर सकते हैं जो भाषण बाधाओं, मस्तिष्क क्षति, बाल विकास या मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर कानूनी और अवैध दवाओं के प्रभाव जैसी चुनौतियों को हल करने के लिए रिसर्च कर रहे हैं।

मीडिया और विज्ञापन करियर

मनोविज्ञान डिग्री होल्डरों के लिए मीडिया में भी विविध करियर हैं। मनोविज्ञान स्नातक मानव व्यवहार को लेकर कंपनी के लिए कई महत्वपूर्ण बातें बता सकते हैं। साथ ही समस्याओं का विश्लेषण करने, ध्यान से सुनने, प्रतिक्रिया देने और सहानुभूति और कारण के साथ कार्य करने की क्षमता प्रदान कर सकते हैं। इस वजह से, प्रबंधन, उत्पादन, शेड्यूलिंग और लेखन सहित सभी विभागों के भीतर मनोविज्ञान स्नातकों की मांग होती है।

मानव संसाधन और संचार करियर

मनोविज्ञान की डिग्री के साथ ह्यूमन रिसोर्स और कम्युनिकेशन करियर भी एक अच्छा विकल्प है। पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध इन भूमिकाओं में कर्मचारी संतुष्टि, व्यावसायिक विकास, प्रशिक्षण, भर्ती, पीआर, पेरोल और आंतरिक संचार जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते हैं क्या है प्रवेश प्रक्रिया

अगर आप भी इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए। यह 3-5 साल का कोर्स होता है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय संबन्ध, और विभिन्न देशों के बीच सम्बन्ध के कारकों और पहलुओं का अध्ययन और विश्लेषण किया जाता है। अगर आप भी इंटरनेशनल स्टडीज में पीएचडी करके राजनयिक के तौर पर काम करना चाहते है तो आइये जानते है इसमें नामांकन के लिए क्या योग्यताएं होनी चाहिये।

योग्यता

- संबंधित विषय में एम फिल की डिग्री या पोस्ट ग्रेजुएशन होना चाहिए।
- उम्मीदवार के पास मास्टर डिग्री में न्यूनतम 55% अंक होना आवश्यक है।
- विश्वविद्यालयों द्वारा भी परीक्षाएं आयोजित कराई जाती है।
- आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 5% अंकों की छूट दी जाती है।
- यूजीसी-नेट जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं भी आयोजित की जाती हैं।
- प्रवेश परीक्षा के बाद साक्षात्कार होता है अगर आपने उसमें अच्छा स्कोर किया तो आपको स्कॉलरशिप भी मिल सकती है।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज के लिए भारत के टॉप कॉलेजों द्वारा अपनाई जाने वाली एडमिशन प्रोसेस इस प्रकार है

- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाएं।
- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाने के बाद आवेदन फॉर्म भरें।
- फार्म को ध्यान से भरें नहीं तो आपका फार्म रिजेक्ट हो सकता है
- सभी दस्तावेज जो भी मांगे गए है उनको अपलोड करिये।
- ऑनलाइन फॉर्म की फीस जमा करें।
- फार्म को सबमिट करें।

प्रवेश परीक्षा

अगर आप किसी अच्छी यूनिवर्सिटी में प्रवेश लेना चाहते है तो प्रवेश परीक्षा में अच्छा स्कोर करना पड़ेगा। रजिस्ट्रेशन के बाद एडमिट कार्ड जारी किये जाते है। जिनमे परीक्षा की सारी जानकारी होती है। प्रवेश प्रक्रिया सीएसआईआर यूजीसी नेट, एसआईयू पीईटी, एमिटी यूनिवर्सिटी पीईटी जैसे एंट्रेंस एग्जाम पर निर्भर करती है।

प्रवेश प्रक्रिया

परीक्षा परिणाम के लिए आप वेबसाइट से जानकारी प्राप्त कर सकते है, प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार में सफल होने के बाद डॉक्टरेट स्तर पर इंटरनेशनल स्टडीज का अध्ययन करने के लिए एडमिशन दिया जाता है।

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज- सिलेबस

- एडवांस्ड थ्योरी ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन
- एडवांस्ड रिसर्च मेथेड
- फेमिनिस्ट इंटरनेशनल रिलेशन
- थिसिस
- शांति और संघर्ष अध्ययन

देश के कुछ टॉप कॉलेज

- झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे
- लाजपत राय लॉ कॉलेज
- शिव नादर विश्वविद्यालय
- गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
- रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- कलिंग विश्वविद्यालय
- पंजाब विश्वविद्यालय
- पी.पी. सवानी विश्वविद्यालय
- यूएनओएम, मद्रास विश्वविद्यालय
- गुरु नानक देव विश्वविद्यालय

क्रिएटिव राइटिंग सिर्फ शौक ही नहीं, करियर भी बन सकता है। इसी के साथ जुड़ा हुआ है एक और करियर, जो है ट्रांसलेटर यानी अनुवादक का। इसके लिए तो अनेक संस्थानों में काफी स्कोप रहता है।

करियर भी बना सकता है क्रिएटिव राइटिंग का शौक

कहां है मांग?

रेलवे, बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) आदि में अनुवादकों की अच्छी डिमांड रहती है। आप चाहें, तो फ्रीलांसर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं इंटरप्रेटर के रूप में खुद को तैयार करके आप विभिन्न देशों के दूतावासों तथा विदेशी कंपनियों में जॉब पा सकते हैं। यह एक दिलचस्प जॉब है, जिसमें हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। अभ्यास बहुत जरूरी लेखक बनने का हुनर कई लोगों में जन्मजात होता है मगर इस हुनर को मांजना बहुत जरूरी है। हर लिखने वाला प्रभावशाली नहीं होता। अगर आप भी बतौर क्रिएटिव राइटर करियर बनाना चाहते हैं, तो सरल, सहज और प्रभावी लिखने का अभ्यास करते रहें। पुराने क्लासिक्स से लेकर नए, प्रमुख लेखकों की किताबें तथा पत्र-पत्रिकाओं मे छपने वाले उनके कॉलम जरूर पढ़ते रहें। आप जितना ज्यादा पढ़ेंगे, उतना ही आपका लेखन निखरेगा। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि आप सीखें सबसे लेकिन लिखते समय अपनी मौलिक पहचान जरूर बनाए रखें। आपके लेखन में किसी अन्य लेखक की नकल या प्रभाव नहीं दिखना चाहिए।

कहां से पढ़ें?

यदि आप करियर के तौर पर क्रिएटिव राइटिंग या ट्रांसलेशन को अपनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप इसके लिए बाकायदा कोर्स कर लें। क्रिएटिव राइटिंग का कोर्स इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय तथा अन्य प्रमुख विश्वविद्यालयों से किया जा सकता है। वहीं ट्रांसलेटर या इंटरप्रेटर बनने के लिए आपको केंद्रीय हिंदी संस्थान या किसी अन्य आधिकारिक संस्थान से अनुवाद का कोर्स करना होगा।

अगर आप सक्सेसफुल करियर बनाना चाहते हैं, तो आपके अंदर बेहतर कम्युनिकेशन स्किल का होना बेहद जरूरी है। क्योंकि एक अच्छी कम्युनिकेशन स्किल से आप अपने करियर को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। कम्युनिकेशन स्किल आपकी पर्सनेलिटी का ही हिस्सा है, इसलिए अपनी पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए आपको अपनी कम्यूनिकेशन स्किल भी बेहतर करनी होगी।

पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए जरूरी है कम्युनिकेशन स्किल

कम्युनिकेशन स्किल बातचीत करना की एक कला है। ये बिल्कुल भी जरूरी नही है कि हर इंसान को बात करने की कला या सही तरीका आता हो। कम्युनिकेशन स्किल का डिग्री और पढ़ाई-लिखाई से भी कुछ लेना देना नहीं है, क्योंकि ये जरूरी नही है कि हर पढ़े-लिखे और डिग्रीधारी शख्स की कम्युनिकेशन स्किल अच्छी ही हो। लेकिन कुछ बातों का ध्यान रखकर इसमें सुधार जरूर किया जा सकता है।

बॉडी लैंग्वेज सही रखें

यह एक तरह का नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन होता है, जिसमें आप बिना कुछ बोले बॉडी के हाव-भाव से सब कुछ कह देते हैं। बॉडी लैंग्वेज को देखकर आप सामने वाले पर्सन के बारे में सब कुछ समझ जाते हैं, तो अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को बढ़ाना चाहते हैं तो आपको अपनी बॉडी लैंग्वेज को सही रखना जरूरी है। अपनी बॉडी लैंग्वेज के द्वारा आप सामने वाले को अपनी बात आसानी से समझा सकते हैं, लोगों से बात करते समय या मीटिंग्स में जेब में हाथ डालकर या हाथों को फोल्ड करने नहीं रखना चाहिए है आपको सामने वाले को अपनी बात समझाने के लिए अपनी बॉडी लैंग्वेज का सही तरह से यूज करना चाहिए।

दूसरों की बातें ध्यान से सुनें

अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को इंप्रूव करना चाहते हैं तो आपको कोई दूसरों भी बात को भी बहुत ही ध्यान से सुनना होगा। इससे आप उसकी बातों को अच्छे से समझ सकेंगे। शुरुआत में बात करते समय आपसे कुछ गलतियां भी हो सकती हैं, लेकिन जब आप डेली प्रैक्टिस करते रहेंगे तो गलतियां कम होंगी और आप सही से कम्युनिकेशन कर सकेंगे। इसीलिए किसी भी बात को अच्छे से सुनिए फिर बोलना सीखिए।

सामने वाले को समझें

अगर आप किसी से कम्युनिकेशन कर रहे है, तो आपको उसकी बातों को अच्छे से समझने के साथ उसे भी समझना होगा कि वो आपसे क्या कहना चाहता है। तभी आप उसके साथ कम्युनिकेशन कर पाएंगे। इसलिए पहले सामने वाले पर्सन की बातों को अच्छे से समझें कि वो क्या कहना चाहता है, कैसा एक्सप्रेशन दे रहा है और उसको अच्छे से समझने के बाद आप अपना जवाब दें।

सही शब्दों का प्रयोग करें

किसी से बात करते समय आपको सही शब्दों का यूज करना चाहिए। इसके लिए डेली नये शब्दों को सीखें और उन्हें लोगों से बात करते समय यूज करें। स्टार्टिंग में आपको लोगों से बात करते समय अपनी आवाज को स्लो रखना है और सही शब्दों को बोलना है, बहुत बार ऐसा होता है कि जल्दी-जल्दी में लोग कम्युनिकेशन करते समय गलत शब्दों का प्रयोग कर जाते हैं, आपको धीरे बोलना है और अपने शब्दों को स्पष्ट बोलना है। जिससे सामने वाला व्यक्ति आपकी बात को अच्छे से समझ सके।

रोज प्रैक्टिस करें

अगर आप दिल से अपनी कम्युनिकेशन स्किल को इम्प्रूव करना चाहते हैं, तो आपको डेली प्रैक्टिस करनी होगी। आपको डेली कम्युनिकेशन के कुछ वर्ड्स याद करने होंगे और इन याद किये गये वर्ड्स को हफ्ते में 2 बार दोहराना होगा। क्योंकि अगर आप एक बार पढ़ने के बाद इन्हें दोबारा देखेंगे नहीं तो भूल जायेंगे। रोज थोड़ा टाइम अपनी कम्युनिकेशन पर दीजिए, डेली कुछ नये वर्ड्स सीखिए। इससे आपकी कम्युनिकेशन स्किल बेहतर होगी।

प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करें

चाहे आपका फ्रेंड हो या कोई अन्य व्यक्ति, किसी से भी बात करते समय ध्यान रखें कि आपको प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करना है। किसी से बात करना होता है तो आपको बिना डरे खुल कर बात करना चाहिए। अगर आप इधर उधर की बात करेंगे तो जिस प्वाइंट पर आप बात करना चाहते हैं, उसपर नहीं कर पाएंगे। साथ ही सामने वाला व्यक्ति भी कंफ्यूज रहेगा।

आई कांटेक्ट रखें

यह ध्यान रखें कि आप जब भी किसी से बात करें तो सामने वाले से आई कांटेक्ट बनाये रखें। इससे हमारी सिंसेरिटी और इंटरेस्ट दिखाई देता है और साथ ही हमारे इमोशन्स भी साफ-साफ दिखाई देते हैं। ये हमारी कम्युनिकेशन स्किल्स को भी इफेक्टिव बनती है। वहीं ऐसे बात करते समय आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ता है।

कॉफिडेंट रहें

किसी से बात करते समय कॉफिडेंट रहना जरूरी होता है। यह तभी हो पाएगा जब आप निडर होंगे, श्योर होंगे और जब आप बाहर की आवाजों पर डिपेंडेंट नहीं होंगे। इसीलिए स्टार्टिंग में जब भी आप किसी से बात करें, तो अपनी गलतियों से डरे नहीं, क्योंकि गलतियां होना एक नार्मल बात है, लेकिन जब धीरे-धीरे आप बोलना सीख लेंगे, आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छी हो जाएगी तो आप पूरे कॉन्फिडेंस के साथ किसी भी फंक्शन में, पार्टी में, मीटिंग्स में या कहीं पर भी बोल सकेंगे।

इम्तियाज अली की फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू करेंगे फहद फासिल

पुष्पा 2 स्टार फहद फासिल बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इम्तियाज अली ने अपनी अगली फिल्म के लिए फहद फासिल को साइन किया है। फहद इस आने वाली फिल्म में तृप्ति डिमरी के साथ नजर आएंगे। इम्तियाज अली ना केवल फिल्म का निर्देशन करेंगे बल्कि इसके निर्माता भी होंगे। फिल्म का निर्माण कथित तौर पर अगले साल की शुरुआत में शुरू होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फहद फासिल इस फिल्म के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने के साथ ही वह इम्तियाज अली के साथ हिंदी सिनेमा में अपनी सफर शुरू करने के लिए बेहद उत्साहित हैं, जो उनके पसंदीदा बॉलीवुड निर्देशकों में से एक हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फहद इस प्रोजेक्ट पर महीनों से चर्चा कर रहे थे और हाल ही में इसे अंतिम रूप दिया गया है। इस आगामी फिल्म में उनके साथ भूल भुलैया 3 अभिनेत्री तृप्ति डिमरी की जोड़ी काफी रोमांचक नजर आ रही है। इम्तियाज प्रेम कहानियों में सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए जाने जाते हैं और यह उनकी कहानियों की सूची में सबसे अलग होने का वादा करती है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म निर्माता स्क्रिप्ट को अंतिम रूप दे रहे हैं और 2025 की पहली तिमाही में इसका निर्माण शुरू होने वाला है। इम्तियाज अली अपने बैनर विंडो सीट फिल्म्स के तहत फिल्म का निर्माण करेंगे। यह फिल्म इम्तियाज के साथ फहद का पहला सहयोग और बॉलीवुड में उनकी पहली फिल्म होगी, जबकि तृप्ति ने इससे पहले लैला मजनू में अभिनय किया था, जिसे फिल्म निर्माता ने लिखा था।
इस बीच, फहद फासिल जल्द ही पुष्पा 2 में अल्लू अर्जुन के साथ मुकाबला करते नजर आएंगे। कोच्चि में पुष्पा 2: द रूल के प्री-रिलीज इवेंट में, अल्लू अर्जुन ने अपने सह-कलाकारों, विशेष रूप से फहद फासिल की प्रशंसा करते हुए कहा, मेरी सभी फिल्मों में पहली बार, मैंने सबसे अच्छे मलयालम अभिनेताओं में से एक, हमारे फाफा के साथ काम किया है। मैं वास्तव में आज उसे देखने से चूक गया। मैं वास्तव में चाहता हूं कि हम दोनों आज केरल में एक साथ यहां खड़े होते। यह एक प्रतिष्ठित बात होती। मेरे भाई, धन्यवाद! काश हम यहां एक साथ होते। मैं आपको शुभकामनाएं देता हूं।

आलिया भट्ट से तुलना को लेकर बोलीं शालिनी पांडे

महाराज फेम अभिनेत्री शालिनी पांडे ने आलिया भट्ट के साथ के लुक और आवाज को लेकर हुई तुलना के बारे में बताया। शालिनी ने माना कि वह तुलनाओं से चिढ़ जाती थीं और चाहती थीं कि लोग उन्हें वह जैसी हैं उसी रूप में देखें, लेकिन अब उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है।

आवाज और लुक को लेकर बोलीं शालिनी

बातचीत में शालिनी पांडे ने अनन्या पांडे, अदिति राव हैदरी, तृप्ति डिमरी के साथ बात की। उन्होंने बातचीत में कहा कि लोग उन्हें आलिया की आवाज और लुक को लेकर चर्चा करते रहे। इस दौरान उन्हें चिढ़ होती थी। शालिनी पांडे ने कहा, पहले वह तुलनाओं से थोड़ी चिढ़ जाती थीं क्योंकि वह चाहती थीं कि लोग उन्हें उनके वास्तविक रूप में देखें, न कि किसी तुलना के लिए। उन्होंने कहा, पहले, मैं थोड़ी चिढ़ जाती थी, इसलिए नहीं कि मुझे आलिया पसंद है, बल्कि इसलिए कि जब आपकी तुलना किसी से की जाती है, तो आप ऐसा सोचते हैं, नहीं, मैं अपनी हूं, इसलिए मैं ऐसा सोचती थी, नहीं, मुझे वैसा ही देखो जैसा मैं हूं। शालिनी पांडे ने कहा कि समय बीतने के साथ उनका नजरिया भी बदलने लगा।

तमिल फिल्म में भी कर चुकी हैं काम

शालिनी पांडे को महाराज फिल्म के लिए जाना जाता है। वे कई तमिल और तेलुगु फिल्मों के लिए काम कर चुकी हैं। अभिनेत्री ने 2022 में रणवीर सिंह अभिनीत जयेशभाई जोरदार से हिंदी फिल्म में अपनी शुरुआत की। दो साल के ब्रेक के बाद, उन्होंने अपनी अगली हिंदी फिल्म महाराजा में काम किया।

डिवोर्स की अफवाहों के बीच नीति बोली- मेरी चुप्पी मेरा जवाब है, सरनेम हटाने की वजह बताई

पिछले कुछ समय से टीवी अभिनेत्री नीति टेलर अपने निजी जीवन के कारण चर्चा में बनी हुई है। कहा जा रहा है कि उनका अपने पति परीक्षित बावा से अलगाव हो गया है। नीति ने भी इन अफवाहों का अब तक खंडन नहीं किया था। लेकिन उन्होंने हाल ही में अपने तलाक की अफवाहों पर बात की है।

चुप रहने की वजह बताई

हाल ही में नीति ने अपने तलाक से जुड़ी अफवाहों पर खुलकर बात की। वह कहती हैं, 'अगर हम चुप हैं या कोई सफाई नहीं दे रहे हैं तो यही हमारा जवाब है। मेरी चुप्पी ही मेरा जवाब है। जब ऐसा कुछ है ही नहीं, सबकुछ ठीक है तो कोई सफाई देने की जरूरत ही नहीं है। कुछ महीनों पहले भी उन्होंने इस बातों को बिल्कुल झूठा बताया था।

शादी को हुए हैं कुछ ही साल

नीति की शादी साल 2020 में परीक्षित बावा से हुई थी, वह एक्टिंग वर्ल्ड से नहीं आते हैं। नीति के पति एक आर्मी ऑफिसर हैं। यह तलाक की अफवाह नीति के कारण ही सामने आई। दरअसल, उन्होंने अपने सोशल मीडिया पेज से परीक्षित का सरनेम अपने नाम से अलग कर लिया था।

सरनेम हटाने का कारण बताया

नीति ने पति का सरनेम क्यों अपने नाम से हटाया है? इस बारे में भी वह बताती हैं। नीति कहती हैं, 'ऐसा ज्योतिष कारणों से मैंने किया है।' वह यह भी बताती हैं कि आज भी उनके सोशल मीडिया पेज पर पति के साथ उनकी सारी फोटो मौजूद हैं।

'बड़े अच्छे लगते हैं' सीरियल से हुई चर्चित

नीति टेलर ने बहुत कम उम्र में टीवी सीरियल्स में काम करना शुरू कर दिया था। लेकिन नीति को पहचान सीरियल 'बड़े अच्छे लगते हैं' के जरिए मिली। इस सीरियल के अलावा वह 'ये हैं यारियां' सीरियल में भी नजर आई थीं। इन दिनों वह अपनी पर्सनल लाइफ में काफी बिजी हैं।

विवेक ओबेरॉय ने बताई फिल्म इंडस्ट्री की हकीकत

अभिनेता विवेक ओबेरॉय की फिल्मी यात्रा उतार-चढ़ावों से भरी रही है। कई शानदार फिल्मों में नजर आने के बाद अचानक वे इंडस्ट्री से गायब हो गए। फिल्मी परिवार से होकर भी उन्होंने ऐसा समय देखा, जब उनके पास कोई फिल्म नहीं रही। हाल ही में अभिनेता अपने करियर के संघर्ष और फिल्म इंडस्ट्री के मिजाज पर बात करते नजर आए। उन्होंने इंडस्ट्री को एक बेहद असुरक्षित जगह बताया है।

हिट फिल्म देकर भी रहे बेरोजगार

विवेक ओबेरॉय ने अपने करियर के चैलेंजिंग पड़ाव पर बात की, जब वे करीब डेढ़ साल तक बेरोजगार रहे। करियर में हिट फिल्म शूटआउट एट लोखंडवाला देने के बाद भी उन्होंने ये दौर देखा। उन्होंने यह भी कहा कि लगातार तनाव और दबाव के चलते उन पर बहुत बुरा असर पड़ा। इसके चलते उन्हें थकान महसूस होने लगी।

सामने रखी इंडस्ट्री की हकीकत

हाल ही में इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक इंटरव्यू में विवेक ओबेरॉय ने फिल्म इंडस्ट्री को असुरक्षित जगह बताया उन्होंने कहा, मैंने 22 साल में करीब 67 प्रोजेक्ट किए हैं, लेकिन इंडस्ट्री बहुत असुरक्षित जगह है। आप बढ़िया काम कर सकते हैं, पुरस्कार जीत सकते हैं और एक अभिनेता के तौर पर अपना काम कर सकते हैं, लेकिन साथ ही यहां रहकर आपको दूसरी वजहों से बेरोजगारी का सामना भी करना पड़ सकता है।

उम्मीदों पर फिर गया पानी

विवेक ओबेरॉय साल 2007 में आई शूटआउट एट लोखंडवाला की सफलता के बावजूद लगभग 15 महीनों तक बेरोजगार रहे। इस बारे में बताते हुए अभिनेता ने कहा, साल 2007 के बाद, जब मैंने शूटआउट एट लोखंडवाला की और गणपत गाना वायरल हो गया, मैंने पुरस्कार जीते तो मुझे उम्मीद थी अब कई सारे ऑफर मिलेंगे। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ, बल्कि करीब डेढ़ साल तक घर बैठा रहा।

आर्थिक स्वतंत्रता के लिए उठाया ये कदम

विवेक ओबेरॉय ने कहा कि साल 2009 में उन्होंने एक अहम फैसला लिया। उन्होंने इंडस्ट्री के भरोसे रहने की बजाय आर्थिक स्वतंत्रता पर फोकस किया। उन्होंने तय किया कि वे बाहरी ताकतों को अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं करने देंगे। एक्टर ने बताया कि व्यवसाय में कदम रखने से उन्हें वह स्वतंत्रता मिली, इसकी उन्हें चाहत थी। विवेक के मुताबिक, सिनेमा हमेशा उनका जुनून रहेगा, लेकिन उन्होंने व्यवसाय को आजीविका के लिए प्लान बी के रूप में देखा। इस कदम ने उन्हें इंडस्ट्री की असुरक्षाओं आजादी दिलाने में मदद की। विवेक ओबेरॉय के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्होंने मस्ती 4 सहित चार फिल्में साइन की हैं।

विक्रांत सिंह से प्रेम विवाह रचाकर पछताईं मोनालिसा?

मोनालिसा और विक्रांत सिंह की जोड़ी फैंस को बेहद पसंद है। इन्होंने प्रेम विवाह रचाया। लंबे समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद कपल ने रियलिटी शो बिग बॉस में शादी रचाई। अब अचानक मोनालिसा लव मैरिज में पछताती नजर आ रही हैं। आप कुछ गलत समझें उससे पहले बता दें कि हकीकत में ऐसा कुछ नहीं है। दरअसल, मोनालिसा का नया गाना रिलीज हुआ है। इसका टाइटल है, लव मैरिज में भारी नुकसान हो गैल।

पति विक्रांत के साथ जमी जोड़ी

भोजपुरी सिनेमा की चर्चित स्टार मोनालिसा अपने डांस के लिए मशहूर हैं। आज बुधवार को उनका भोजपुरी गाना रिलीज हुआ है। दिलचस्प बात ये है कि इसमें उनके पति विक्रांत सिंह भी नजर आए हैं। मोनालिसा और विक्रांत के फैंस के लिए यह किसी ट्रीट से कम नहीं। इस गाने में वे लव मैरिज के साइड इफैक्ट दिखाती नजर आई हैं। दोनों के बीच कमाल के केमिस्ट्री दिखाई दी है। गाने में मोनालिसा मजाकिया अंदाज में अपने पति को ताने देती दिख रही हैं।

मोनालिसा ने साझा किया पोस्ट

यह गाना यूट्यूब पर टी-सीरीज हमार भोजपुरी चैनल पर जारी किया गया है। गाने को अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। लोगों को गाना तो पसंद आ ही रहा है, मोनालिसा और विक्रांत को परदे पर साथ देखकर भी वे बेहद खुश हैं। रिलीज के कुछ ही घंटों में इसे नौ लाख से अधिक व्यूज मिल चुके हैं। मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पोस्ट साझा कर इस गाने की रिलीज की जानकारी फैंस से साझा की है और इसे देखने की अपील की है। इस गाने को सिंगर प्रिया मलिक ने अपनी सुरीली आवाज से सजाया है। गीत के बोल पंकज नारायण ने लिखे हैं, जबकि इसका म्यूजिक विक्की प्रसाद ने कम्पोज किया है। म्यूजिक वीडियो के डायरेक्टर अपूर्व बजाज हैं।

प्रेम लीला शो में आएंगी नजर

मोनालिसा के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनके हाथ नया शो प्रेम लीला लगा है। कल मंगलवार से उन्होंने इसकी शूटिंग शुरू की है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी साझा की। इस शो में वे रुद्राक्षी के किरदार में नजर आएंगी।

वायरस ही साइबर क्राइम का माफिया है : अजय कुमार

गरीब दर्शन / सीवान

डिजिटल इंडिया के पन्ने से

साइबर स्पेस मे गैर कानूनी कार्य ही साइबर क्राइम कहलाता है । सम्पूर्ण विश्व की सरकार, पुलिस और इन्वेस्टिगेशन इससे परेशान हैं । हाईकर यूजर्स को वायरस के जाल मे फांस कर विभिन्न प्रकार से हराश करते हैं और फिर डाटा चोरी करने से लेकर ब्लैक मेल तक करते हैं और फिर आप के एकाउंट से माल भी स्वाहा कर जाते हैं । उपरोक्त बातें आकाशवाणी (ऑल इंडिया रेडियो) बिहार प्रभाग के उप-निदेशक अजय कुमार ने कही । सीवान जिला के हुसैनगंज प्रखण्ड के जुड़कन गाँव के रहने वाले अजय कुमार बताते हैं कि इतना ही नही साइबर क्रिमनल नवयुवकों में नशा की लत को बेतहासा बढ़ावा दे रहे हैं । साइबर क्राइम का शिकार ग्लोबल विलेज से जुड़े एंड्रॉयड इस्तेमाल करने वाले लोग ही अधिकतर इनका शिकार हो रहे हैं । अजय कुमार बताते हैं कि आज के युग मे कोई भी सोसल नेटवर्किंग साईट का इस्तेमाल करने वाला इन हैकरों की परछाई से बच नही सकता है, क्यों कि बचने के लिए सबसे पहले ये जानना जरूरी है कि आखिर ये साइबर माफिया हैं कौन ? वे बताते हैं कि वायरस ही साइबर क्राइम का माफिया है । यह कम्प्यूटर, एंड्रॉयड और टेबलेट्स के लिए डेंगू मच्छर से कम नही है । वे कहते हैं कि साइबर क्राइम से परेशान दुनिया को इनसे बचने के लिए इसका उपाय करना होगा । इसके लिए डिजिटल दुनिया से अपडेट रहना होगा । इस सिसलिले मे हमारे प्रतिनिधि एनाएतुल्लाह नन्हे को अजय कुमार ने बताया कि इसके लिए आप को अब तक कि सबसे अच्छी और कारगर किताब डिजिटल इंडिया को पढ़ना होगा । जिसमे डिजिटल दुनिया के हर पहलू को बहुत ही बारीकी और सघन अनुसंधान से गुजरते हुए समझाया गया है । उन्होंने बताया कि इस किताब मे साइबर क्राइम से जुड़ी सभी जानकारी आँकड़े के आधार पर है । साथ ही किताब मे वेब माफियाओं की काली करतूतों की कहानी उनसे नुकसान और फिर उससे बचने का उपाय बताया गया है । अजय कुमार कहते हैं कि साईबर ठगी का अब नया तरीका अपना रहे हैं साइबर ठग । आज कल ठग बोलता है की आप का बिजली बिल जमा है लेकिन अपडेट्स नही हुआ है । अपडेट नहीं होगा तो बिजली कट जायेगी । ठग बिल अपडेट्स करने का फर्जी एप बना रखें है । उससे होशियार रहने की जरूर है । क्योंकि बिजली बिल जमा होने वाले मोबाइल नम्बर के व्हाट्स एप्स पर फर्जी बिल अपडेशन का एप शेयर करते है, फिर कहते है कि जिस गूगल पे या फोन पे से पेमेंट किए उस पर डिटेल्स भेजा जा रहा है । पैसा आपके खाते में रिफंड होगा । फिर उस पैसे को जमा कर दीजिए । इस बीच खाते का डिटेल्स के साथ ओटीपी लेकर आप का खाता खाली कर दे रहे हैं । इसलिए ऑनलाइन बिजली बिल अपडेट्स करने वाले ठगो से सावधान रहिए । गौरतलब है कि अजय कुमार द्वारा लिखित पुस्तक डिजिटल इंडिया ज्ञान गंगा दिल्ली द्वारा प्रकाशित है जो फिलिप्कार्ट और एमोज़ोन पर उपलब्ध है । यह पुस्तक पत्रकारिता की शिक्षा दे रहे विभिन्न संस्थानों में भी पढ़ाई जा रही है ।

'सिटाडेल 2' की शूटिंग प्रियंका ने की पूरी, शो को बताया 'रोलर कोस्टर राइड'

प्रियंका चोपड़ा ने अपने बहुप्रतीक्षित वेब शो सिटाडेल के सीक्वल की शूटिंग पूरी कर ली है। मंगलवार को अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर शो की शूटिंग खत्म होने के बाद तस्वीरें साझा की। अभिनेत्री ने अपने इस सफर को 'रोलर कोस्टर राइड' बताया।
पहली तस्वीर में, प्रियंका अपने किरदार नादिया सिंह के लुक में और फूलों का गुलदस्ता लेकर मुस्कुराती नजर आईं। वहीं, अभिनेत्री ने कई सारे अन्य पल भी वीडियो और तस्वीर के माध्यम से साझा किए। प्रियंका ने कैप्शन में लिखा कि उनका यह साल काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा, साथ ही उन्होंने शूटिंग पूरा होने पर कास्ट और क्रू का आभार जताया।